A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 23 मई, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 255 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

लोस चुनाव : हरियाणा की दस सीटों पर किसका पलड़ा भारी ?

जगदीप सिंधु

देश में विभिन्न चरणों में हो रहे लोकसभा चुनावों के छठे चरण के तहत 25 मई को हरियाणा में मतदान होगा। उत्तर भारत में हरियाणा में हालाँकि 10 लोकसभा सीटें ही हैं लेकिन राजनीतिक रूप से यह प्रदेश भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भाजपा को 2014 में 7 और 2019 में 10 सीटों पर एकतरफा जीत मिली थी। प्रदेश में पिछली दो बार से भाजपा सत्ता में है। अपनी सफलता को बनाए रखने की चुनौती भाजपा के लिए किसान आंदोलन, अग्निवीर योजना, महिला पहलवानों के आंदोलन, पुरानी पेंशन योजना, पेपर लीक मामला व बिगड़ती कानून व्यवस्था और सबसे गंभीर समस्या बेरोजगारी के चलते अबकी बार बहुत गंभीर है। चुनाव के शुरू होने के बाद से उठ रहे विभिन्न सामाजिक वर्गों के विरोध के स्वर दिन प्रतिदिन तीव्र होते धरातल पर साफ तौर पर सामने आने लगे हैं।

भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में सत्ता विरोधी रोष को ख़त्म करने के लिए चुनाव से ठीक पहले प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन कर के साढ़े नौ साल से चले आ रहे मनोहर लाल खट्टर को हटा कर नायब सैनी को मुख्यमंत्री बना दिया। भाजपा ने 5 लोकसभा सीटों- सिरसा, हिसार, कुरूक्षेत्र, करनाल, सोनीपत पर अबकी बार अपने प्रत्याशी बदल दिये हैं। लगभग 7 सीटों पर भाजपा फँस गई है।

सिरसा सुरक्षित सीट से अशोक तंवर को भाजपा ने प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस से निष्कासित होने के बाद अशोक तंवर तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी से होते हुए कुछ समय पहले भाजपा में शामिल हुए हैं। कांग्रेस के टिकट पर एक बार पहले 2009 में सिरसा से चुनाव जीते थे। कहा जा रहा है कि भाजपा की वर्तमान सांसद सुनीता दुग्गल कुछ खास कार्य इस क्षेत्र में करने में असफल ही रही और मतदाताओं की नाराजगी से बचने के लिए भाजपा ने अपना प्रत्याशी बदल दिया। वहीं कांग्रेस ने अपनी दिग्गज नेता कुमारी शैलजा को प्रत्याशी बनाया है। इस क्षेत्र में किसान आंदोलन का काफी प्रभाव रहा है और यहाँ के श्रमिक, किसान, मजदूर, कामगार ने आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई है।

हिसार से भाजपा ने सिरसा के रानियां से निर्दलीय विधायक रहे रणजीत सिंह चौटाला मैदान में उतारा है। 78 वर्षीय रणजीत चौटाला जनता दल, इंडियन लोक दल, कांग्रेस में रह चुके हैं। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा हरियाणा में बिछायी राजनीतिक बिसात के रणजीत सिंह एक अहम मोहरे हैं। चर्चा है कि भाजपा में चल रही गुटबाजी के परिणाम में रणजीत सिंह को पूर्व वित्त मंत्री अभिमन्यु व भजन लाल परिवार से कुलदीप बिश्नोई को उनकी राजनीतिक हैसियत दिखाने के लिए हिसार लोक सभा सीट पर लाया गया है। कांग्रेस ने यहाँ से पूर्व सांसद जयप्रकाश को उम्मीदवार बनाया है।

भिवानी महेंद्रगढ़ की सीट पर भाजपा ने निवर्तमान सांसद धर्मवीर सिंह को फिर से उतारा है। यह क्षेत्र सिंचाई व पानी की कमी से जूझ रहा है। अबकी बार चुनौती अग्निवीर, वन पेंशन वन रैंक जैसी योजनाओं ने इस क्षेत्र में कड़ी कर दी हैं। कांग्रेस ने यहाँ बंसीलाल परिवार के बाहर अहीरवाल क्षेत्र के राव दान सिंह को उतारा है जो अहीर समुदाय से हैं।

रोहतक सीट से अरविंद शर्मा को भाजपा ने तीसरी बार फिर से प्रत्याशी बनाया है। पिछली बार बहुत ही कम अंतर से यह सीट कांग्रेस के दीपेंद्र हुड्डा हार गए थे। अबकी बार कठिन चुनौती भाजपा को यहाँ मिलने वाली है। हाल ही में ईनेलो के प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी की हत्या ने प्रदेश को हिला दिया था। कांग्रेस इस सीट पर काफी मजबूत स्थिति में है।

सोनीपत सीट पर भाजपा को अपना प्रत्याशी बदलना पड़ा है। रमेश कौशिक की एक आपत्तिजनक सीडी कुछ ही दिन पहले सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। अब सोनीपत से मोहन लाल बड़ोली को मैदान में उतरा गया है। मोहन लाल कौशिक बड़ोली रासेसं से जुड़े रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल काँग्रेस के मजबूत प्रत्याशी की चुनौती यहाँ सतपाल महाराज के रूप में सामने हैं। करनाल सीट पर भाजपा को हरियाणा के मुख्यमंत्री पद से हटा कर मनोहर लाल खट्टर को उतरना पड़ा है। यह अपने आप में ही एक बड़ा संकेत है कि भाजपा के लिए अबकी बार हरियाणा में चुनौतियाँ कितनी गंभीर हैं। कांग्रेस ने यहां युवा प्रत्याशी छात्र राजनीति से निकले दिव्यांशु बुद्धिराजा को मौक़ा दिया है।

कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट पर भाजपा ने 2014 और 2019 में जीत हासिल की थी। बहु संख्यक जाटों के विरुद्ध विवादित बयान राज कुमार सैनी की पहचान रहे लेकिन 2019 में भाजपा ने नायब सैनी को कुरुक्षेत्र में उतारा और फिर से जीत दर्ज की थी। नायब सैनी को अब हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं। अब भाजपा ने कुरुक्षेत्र में अपनी हांड़ी नवीन जिंदल के मार्फ़त फिर से चढ़ाई है। यहाँ इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी आम आदमी पार्टी के सुशील गुप्ता हैं। इनेलो के राष्ट्रीय महासचिव अभय सिंह चौटाला ने यहाँ मुकाबला त्रिकोणीय करने में अपना पूरा जोर लगा रखा है।

अम्बाला आरक्षित सीट पर भाजपा ने पूर्व सांसद दिवंगत रतन लाल कटारिया की पत्नी बन्तो कटारिया को उतारा है। किसान आंदोलन का सबसे तीव्र प्रभाव इसी लोकसभा क्षेत्र में है। वहीं कांग्रेस से वरुण मुलाना, जो पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष फूलछन्द मुलाना के पुत्र हैं, बेहतर स्थिति में बताये जा रहे हैं। यह सीट जीत पाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बन गई है।

फरीदाबाद की सीट पर कृष्ण पाल गुर्जर भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर तीसरी बार अपनी किस्मत आजमाएंगे। केंद्रीय मंत्री रहे कृष्ण पाल गुर्जर अपनी जीत के लिए वह केंद्रीय नेतृत्व को पूरी तरह आश्वस्त भी कर चुके हैं। चुनावी बॉन्ड के खुलासों की परछाई से भाजपा जिस तरह ग्रस्त हुई है उसके प्रभाव से कृष्ण पाल गुर्जर को भी देश में अन्य भाजपा उम्मीदवारों की तरह खुद को बचा पाने की चुनौती रहेगी। कांग्रेस ने यहाँ से पांच बार के विधायक रहे महेंद्र प्रताप को उतारा है। विनम्र छवि के महेंद्र प्रताप इस सीट पर उलट फेर करने की क्षमता रखते हैं। कांग्रेस के स्थानीय दिग्गज नेता कर्ण सिंह दलाल व अवतार सिंह बढ़ाना का महेंद्र प्रताप को मजबूत समर्थन कृष्ण पाल गुर्जर को तीसरी बार संसद जाने से रोक सकता है।

गुरुग्राम की सीट पर भाजपा ने राव इंद्रजीत पर सीट जीतने का भरोसा जताया है। गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र भाजपा के लिए धार्मिक ध्रुवीकरण की प्रयोगशाला के रूप में भी सुरक्षित सीट मानी जा रही है। कांग्रेस ने यहाँ से अभिनेता राज बब्बर को उतार कर अपना राजनीतिक दांव चला है।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

भयंकर तप रहा है 'उत्तर', बारिश से सराबोर 'दक्षिण'

राजस्थान, हरियाणा में पारा 47 डिग्री के पार, भीषण गर्मी

5 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट, कोयंबटूर में 5 इंच बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान और हरियाणा में पारा 47 डिग्री पार कर गया है। हरियाणा के सिरसा में अधिकतम तापमान 47.8 और राजस्थान के पिलानी में 47.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के सीनियर वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया कि राजस्थान में अगले 5 दिन का रेड अलर्ट जारी किया है। यहां अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से बढ़कर 47 डिग्री सेल्सियस पहुंचने की संभावना है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण पंजाब और हरियाणा के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, यहां तापमान में 2 से 3 डिग्री की वृद्धि होगी। उत्तर प्रदेश में अगले पांच दिनों के लिए रेड अलर्ट और मध्य प्रदेश में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। तमिलनाडु के कई जिलों में तेज बारिश जारी है, कोयंबटूर के अझियार में पिछले 24 घंटों में 5 इंच बारिश हुई। मौसम विभाग ने गुरुवार को थेनी, तेनकासी, तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी और विरुधुनगर जिलों में भारी बारिश का अनुमान लगाया है। 23 मई को दक्षिण-पूर्व और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है, जो 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। मछुआरों को तट से दूर रहने की सलाह दी गई है। आईएमडी के मुताबिक प्रदेश में बीते सप्ताह, यानी 9 मई से 15 मई के बीच में औसत बारिश के मुकाबले 55 फीसदी कम बारिश रिकॉर्ड की गई।

इंडी गठबंधन वाले रामलला को फिर से टेंट में भेजना चाहते हैं

- यूपी के बस्ती में पीएम मोदी ने कांग्रेस और सपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बस्ती में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उनके निशाने पर कांग्रेस और सपा गठबंधन रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले रामलला को फिर से टेंट में भेजना चाहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि 25 मई को बस्ती की जनता तुष्टिकरण को कब्रिस्तान में दफन करने के लिए वोट करेगी। पीएम मोदी ने कहा, सपा ने यूपी को केवल बदनामी दी थी। हमारी बहन-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था। लोग जमीन खरीदने से डरते थे, जमीन खरीदी तो कोई न कोई कब्जा कर लेता था। गुंडे-माफिया सपा के मेहमान होते थे, दंगाइयों को स्पेशल प्रोटोकॉल मिलता था, आतंकवादियों को जेल से छोड़ने का फरमान जारी होता था। इस चुनाव में ऐसी कोई गलती नहीं करनी है, जिससे इन लोगों का हौंसला बढ़े। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस के शहजादे तो राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटना चाहते हैं। ये राम मंदिर पर बाबरी ताला लगाने का सपना देख रहे हैं। ये रामलला को फिर से टेंट में भेजना चाहते हैं।

सुप्रभात

आदमी का भूत कैसा दिखता होगा!
क्या वैसा ही
जैसा आदमी दिखता रहा होगा मरने
से ठीक पहले
जैसे सत्ता ने उसे आश्वस्त किया
उसके भविष्य के प्रति
और वह मर गया झाँसे में आकर
अपने वर्तमान में
वरना बड़ा मुश्किल होता बता पाना
कि यह अमुक-अमुक का भूत है।

– वसंत सकरगाए

'अग्निवीर योजना को हम फाड़-फूड़ के कूड़ेदान में डालने जा रहे हैं'

हरियाणा में राहुल गांधी ने जवानों और किसानों के लिए किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हरियाणा के सोनीपत में अपनी पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने अग्निवीर योजना को लेकर मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि यह पीएम मोदी की योजना है और इस पीएमओ ने बनाया गया है। मंच से बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी जी ने पहली बार हिंदुस्तान के जवानों को मजदूर में बदल दिया है, वो कहते हैं कि दो तरीके के शहीद होंगे। एक नॉर्मल जवान या अफसर, उसके परिवार को पेंशन मिलेगी, शहीद का दर्जा मिलेगा और सारी की सारी सुविधाएं मिलेंगी और दूसरा गरीब घर का बेटा, जिसको अग्निवीर नाम दिया है। उन्होंने आगे कहा, इस अग्निवीर को ना शहीद का दर्जा मिलेगा, ना पेंशन मिलेगी, ना कोई सुविधा मिलेगी, ना कैंटीन मिलेगी। यह योजना नरेंद्र मोदी की योजना है। यह सेना की योजना नहीं है। सेना इसे नहीं चाहती है। यह पीएमओ से योजना बनाई गई है तो मैं पहली बात आपको कहना चाहता हूं कि इंडिया की सरकार आएगी तो हम अग्निवीर योजना को उठाकर कूड़ेदान में फेंक देंगे। सारी की सारी फैसेलिटीज सबको मिलेंगी।

पांच दिन की ईडी रिमांड पर मंत्री आलमगीर आलम

- पूछताछ में पीए बोला-92 करोड़ का टेंडर

रांची (एजेंसी)। टेंडर घोटाला मामले में मंत्री आलमगीर आलम को कोर्ट ने एक बार फिर पांच दिनों की ईडी रिमांड पर भेज दिया है। मामले की अगली सुनवाई पर 28 मई को होगी। दरअसल, मंत्री आलमगीर आलम की रिमांड खत्म हो रही है। इसे लेकर उन्हें ईडी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में पेशी के दौरान ईडी ने पूछताछ के लिए फिर से रिमांड देने की मांग की थी। जिसके बाद कोर्ट ने पूछताछ के लिए 27 मई तक समय दिया। ग्रामीण विकास विभाग में हुए टेंडर कमीशन घोटाले में चीफ इंजीनियर से लेकर मंत्री आलमगीर आलम तक का 1.23 करोड़ रुपए का कमीशन फिक्स था। टेंडर से मिले कमीशन के रुपए बांटने के लिए सिंडिकेट के लोग कोडवर्ड का इस्तेमाल करते थे।

ईरानी राष्ट्रपति रईसी को सुप्रीम लीडर खामेनेई ने दी श्रद्धांजलि

हमास चीफ हानियेह भी रहे मौजूद, सड़कों पर उतरे लाखों लोग

तेहरान (एजेंसी)। ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में रविवार को मौत हो गई। रईसी के अंतिम संस्कार के दौरान भारी भीड़ देखने को मिली। दुर्घटना में मारे गए देश के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहियन और अन्य अधिकारियों के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की अगुवाई में बुधवार को प्रारंभ हुई। इसके बाद उनके पार्थिव शरीर के साथ राजधानी तेहरान में निकाले गए जुलूस में हजारों लोग शामिल हुए तेहरान विश्वविद्यालय में मृतकों के ताबूत रखे गए। ये ताबूत ईरानी ध्वज में लिपटे हुए हैं और ताबूतों पर नेताओं की तस्वीरें लगायी गयी हैं। दिवंगत राष्ट्रपति के ताबूत पर एक काली पगड़ी रखी गई जो उनके इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद का वंशज होने का संकेतक है।

कांग्रेस ने लगातार सनातन धर्म की जड़ों को काटने का प्रयास किया है : मुख्यमंत्री

- विकास हर तरफ दिखाई दे रहा है और गुंडे जेल में दिख रहे हैं
- कांग्रेस 70 सालों तक भगवान श्रीराम पर ही प्रश्नचिन्ह लगाती रही, उनके होने का प्रमाण मांगती रही
- देश के दुश्मनों को नेस्तनाबूद करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी का होना बेहद जरूरी है

महाराजगंज, कुशीनगर, जौनपुर (उत्तरप्रदेश)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तरप्रदेश की महाराजगंज लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री पंकज चौधरी के समर्थन में नौतनवां, कुशीनगर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री विजय कुमार दुबे के समर्थन में रामकोला, जौनपुर लोकसभा सीट के भाजपा प्रत्याशी श्री कृपाशंकर सिंह के समर्थन में जौनपुर में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश, प्रदेशों में जो विकास हुआ है वह तो बाजार में नजर आ रहा है और जो भ्रष्टाचारी, गुंडे, बदमाश थे वे जेल में दिख रहे हैं। यह 21वीं सदी का भारत है और यहां पर लोकतंत्र है। किसी की भी तानाशाही नहीं चलेगी। देश की आजादी के बाद से कांग्रेस ने लगातार सनातन धर्म की जड़ों को काटने का प्रयास किया है। कांग्रेस 70 सालों तक भगवान श्रीराम पर ही प्रश्नचिन्ह लगाती रही, उनके होने का प्रमाण मांगती रही। कांग्रेस की गलतियों के कारण देश की चारों तरफ की सीमाएं असुरक्षित थीं, लेकिन अब दुश्मन डरता है। देश के दुश्मनों को नेस्तनाबूद करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी का होना बेहद जरूरी है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बिहार के गया पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया।

70 सालों तक कांग्रेस लगाती रही भगवान श्रीराम पर प्रश्नचिन्ह- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 1947 में देश आजाद हुआ। उसी समय अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर बनना चाहिए था, लेकिन 70 सालों तक कांग्रेस भगवान श्रीराम के होने पर ही प्रश्नचिन्ह लगाती रही। उनके होने का प्रमाण मांगती रही। कांग्रेस के कारण भगवान श्रीराम 70 सालों तक टेंट में ही विराजमान रहे, लेकिन फिर देशवासियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी को मौका दिया और उन्होंने किए गए वादे के अनुरूप भगवान श्रीराम को उनके गर्भगृह में विराजमान कराया। अब श्रीराम अपने गर्भगृह में मुस्कुरा रहे हैं। कांग्रेस हमेशा से सनातन धर्म की जड़ों को काटने का कार्य करती रही। हिन्दू-मुसलमानों के बीच फूट डालकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकती रही। कांग्रेस की मानसिकता ही अंग्रेजों वाली रही है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 42 °c
न्यूनतम 36°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 23 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

कश्मीर में अब नहीं बहाल होगा आर्टिकल-370

● सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कीं सभी याचिकाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू एवं कश्मीर को प्राप्त विशेष दर्जे को रद्द करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार की मांग करने वाली याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने यह कहते हुए समीक्षा याचिकाएं खारिज कर दीं कि 11 दिसंबर, 2023 को दिए गए फैसले में कोई त्रुटि नहीं है। पीठ ने कहा, 11 दिसंबर, 2023 को पारित हमारे फैसले की समीक्षा करने के बाद, हमें सुप्रीम कोर्ट के नियम 2013 के आदेश एक्सएल सात, नियम 1 के तहत समीक्षा के लिए मामला नहीं बनता।

आठ दिन से लापता बांग्लादेशी सांसद कोलकाता में मृत मिले

● पुलिस ने कहा-ये प्री-प्लान मर्डर

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में 8 दिन से लापता बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार बुधवार को कोलकाता के एक फ्लैट में मृत मिले। बांग्लादेश के गृहमंत्री असदुज्जमां खान ने कोलकाता पुलिस के हवाले से इसकी पुष्टि की है। कोलकाता पुलिस ने बताया कि सांसद अनवारुल का शव न्यू टाउन इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पुलिस ने इस मामले में 3 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इसे प्री-प्लान मर्डर बताया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सांसद अनवारुल 12 मई को इलाज के लिए कोलकाता आए थे। इसके अगले दिन ही वे लापता हो गए। अनवारुल का 13 मई से फोन भी बंद आ रहा था। इसके बाद 17 मई को उनका फोन बिहार के किसी इलाके में कुछ देर के लिए ऑन हुआ था। वहीं पुलिस का कहना है कि उनके फोन से परिवार के सदस्यों को संदेश भेजे गए थे कि वह नई दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। अनवारुल अजीम अवामी लीग पार्टी से सांसद हैं।

सेना पर संभलकर बोले कांग्रेस और धार्मिक मसलों पर बीजेपी कसे लगाम

● चुनाव आयोग ने दी बीजेपी-कांग्रेस को नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में सांप्रदायिक आधार पर वोटों की अपील करने और सुरक्षा बलों के नाम पर मतदाताओं को रिझाने पर चुनाव आयोग ने ऐतराज जताया है। आयोग ने इस सिलसिले में भाजपा और कांग्रेस को नसीहत दी है कि वे ऐसा करने से बचें। आयोग ने कांग्रेस को कहा है कि वह डिफेंस फोर्सेज का राजनीतिकरण न करे। इसके अलावा सुरक्षा बलों में सामाजिक-आर्थिक विविधता के बारे में भी टिप्पणी न करने को कहा गया है। चुनाव आयोग ने भाजपा को भी सलाह दी है कि वह धार्मिक आधार पर चुनाव प्रचार न करे। निर्वाचन आयोग ने भाजपा एवं उसके स्टार प्रचारकों को धार्मिक और सांप्रदायिक आधार पर चुनाव प्रचार करने से दूर रहने का निर्देश दिया। वहीं कांग्रेस से कहा- ऐसे बयान नहीं दें जिससे यह गलत धारणा बने।

वेद से अर्थशास्त्र, गुप्त से शिवाजी तक...

भविष्य के युद्धों के लिए अतीत में झांक रही है सेना!

● सैन्य आधुनिकीकरण की दिशा में अब तेजी से आगे बढ़ रहा है भारत

● प्रोजेक्ट उद्भव के तहत वेदों से लेकर योद्धाओं तक से ले रही सीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। परंपरा की मजबूत नींव पर आधुनिकता की गगनचुंबी मीनार कैसे खड़ी की जाए, इस दिशा में भारतीय सेना तेजी से कदम बढ़ा रही है। सेना भविष्य की युद्ध रणनीतियों के लिए महाभारत जैसे महाकाव्य से लेकर प्राचीन राजवंशों तक राष्ट्र शक्ति के विभिन्न पहलुओं पर ज्ञान अर्जित कर रही है। सेना प्रमुख मनोज पांडे ने कहा, भारतीय सेना ने महाभारत के युद्धों और मौर्यों, गुप्तों एवं मराठों की रणनीतिक प्रतिभा का अध्ययन किया है, जिन्होंने भारत की समृद्ध सैन्य विरासत को आकार दिया। यह प्रॉजेक्ट उद्भव नामक

एक पहल का हिस्सा है। इसका उद्देश्य राष्ट्र के ऐतिहासिक सैन्य ज्ञान से अंतर्दृष्टि प्राप्त करके सैन्य बल को प्रगतिशील और भविष्य के लिए तैयार बनाना है। थल सेना प्रमुख 1870 में स्थापित भारत के सबसे पुराने थिंक टैंक यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन (यूएसआई) के बैनर तले आयोजित भारतीय सामरिक संस्कृति में ऐतिहासिक प्रतिमान सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने भारतीय सेना के प्रॉजेक्ट उद्भव के बारे में बात की जिसका उद्देश्य महाभारत, वेदों, पुराणों, उपनिषदों और अर्थशास्त्र में वर्णित ज्ञान को सेना की मजबूती का आधार बनाना है। इस प्रॅजेक्ट को पिछले साल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लॉन्च किया था। इसका शुभारंभ सेना और यूएसआई के आपसी सहयोग से अक्टूबर, 2023 में भारतीय सैन्य विरासत महोत्सव में हुआ था। सेना प्रमुख ने कहा कि इस परियोजना से प्रतिष्ठित भारतीय और पश्चिमी विद्वानों के बीच पर्याप्त बौद्धिक समानता का पता चला है। उन्होंने कहा,इस परियोजना में वेदों, पुराणों, उपनिषदों और अर्थशास्त्र जैसे प्राचीन ग्रंथों का गहन अध्ययन किया गया है, जो आपसी संबंध, धार्मिकता और नैतिक मूल्यों पर आधारित हैं। एक प्राइवेट अंग्रेजी न्यूज वेबसाइट ने सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा कि प्रॉजेक्ट उद्भव के तहत जुटाए गए परंपरागत ज्ञान को तुरंत यूएसआई वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। यहां महान योद्धा राजाओं का समृद्ध इतिहास है, जिन्होंने शानदार नेतृत्व किया है।

उपलब्धि

आंध्र प्रदेश की जया की ऊंची उड़ान... रचा इतिहास

अमेरिका में जज बनने वाली पहली तेलुगु महिला बनीं

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रधेश ते विजयवाड़ा की रहने वाल जया बडिगा ने इतिहास रच दिया है। वो कैलीफोर्निया के सैक्रामेंटो काउंटी सुपीरियर कोर्ट में जज के रूप में नियुक्त होने वाली पहली तेलुगु महिला बन गई है। जया ने अपनी शिक्षा उस्मानिया विश्वविद्यालय से पूरी की है। जज के रूप में नियुक्त होने से पहले जया ने सैक्रामेंटो काउंटी सुपीरियर कोर्ट के लिए एक आयुक्त के रूप में काम किया। 2009 में जया ने कैलीफोर्निया स्टेट बार परीक्षा में सफलता प्राप्त की थी। ऐसे उनके कानूनी करियर की शुरुआत हुई जो निजी प्रैक्टिस में एक दशक से अधिक समय तक चला। जया ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रायल एडवोकेसी और मैकजॉर्ज स्कूल ऑफ लॉ में संकाय सदस्य के रूप में कार्य करके कानूनी शिक्षा में योगदान दिया। गवर्नर गेविन न्यूजॉम द्वारा उनकी नियुक्ति की घोषणा में 18 नए न्यायाधीश शामिल थे, जिनमें से एक भारतीय मूल के न्यायाधीश राज सिंह बधेशा भी थे। जया बडिगा ने तेलुगू राज्यों से आने वाली कैलीफोर्निया की पहली न्यायाधीश बनकर इतिहास रच दिया है। उनका जन्म आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में हुआ था और उन्होंने हैदराबाद में उस्मानिया विश्वविद्यालय से अपनी शिक्षा पूरी की। इस उपलब्धि से पहले उन्होंने कैलीफोर्निया स्वास्थ्य सेवा विभाग और गवर्नर ऑफिस ऑफ इमरजेंसी सर्विसेज में कोर्ट कमिश्नर और अटॉर्नी के रूप में काम किया था।

पश्चिम बंगाल में ममता सरकार को बड़ा झटका

● कलकत्ता हाईकोर्ट ने 13 सालों में जारी ओबीसी सर्टिफिकेट किए रद्द

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कलकत्ता हाईकोर्ट ने ओबीसी सर्टिफिकेट को लेकर बड़ा फैसला लिया है। हाईकोर्ट ने बंगाल में 2010 के बाद बनी ओबीसी सूची को रद्द कर दिया है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा है कि अब कोई भी नए प्रमाणपत्र जारी नहीं किए जाएंगे, हालांकि कोर्ट ने यह साफ किया है कि इस सूची के आधार पर जिन लोगों को नौकरी मिली है। उनके ऊपर इसका असर नहीं है। मतलब उनकी नौकरी बरकार रहेगी। न्यायमूर्ति तपोब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथर की खंडपीठ ने बुधवार को यह फैसला सुनाया। खंडपीठ ने कहा कि कलकत्ता हाई कोर्ट ने 2011 से 2024 तक राज्य द्वारा जारी किए गए सभी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द किए जाते हैं। हाईकोर्ट के इस फैसले से राज्य में नए सिरे से सियासत गरमा सकती है। हाईकोर्ट ने कहा कि 2010 के बाद की सभी ओबीसी आरक्षण सूचियां रद्द कर दी गई हैं। 2010 से पहले पंजीकृत ओबीसी की सूची रखी गई है। इस फैसले से राज्य की ममता बनर्जी सरकार को बड़ा झटका लगा है।

उम्र 77 साल है और हेल्थ भी खराब, अब रिटायर हों नवीन

गृहमंत्री ने अमित शाह ने किया युवा उड़िया सीएम का वादा

भुवनेश्वर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक 77 साल के हैं और अब उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि वह बढ़ती उम्र के चलते स्वास्थ्य समस्याएं झेल रहे हैं। इसलिए रिटायर होना ही सही रहेगा। इसके साथ ही मंगलवार को एक रैली में अमित शाह ने वादा किया यदि भाजपा राज्य में सत्ता में आती है तो वह एक युवा उड़िया भाषी भूमिपुत्र को मुख्यमंत्री बनाएगी। उन्होंने कहा, 'पांचवें चरण के मतदान के बाद भाजपा को 310 सीटें पहले ही मिल चुकी हैं। छठे और सातवें दौर के मतदान के बाद हम 400 से अधिक सीट हासिल कर लेंगे।' नौकरशाह से नेता बने और पटनायक के करीबी सहयोगी वीके पांडियन पर उनका नाम लिए बिना हमला करते हुए शाह ने कहा कि एक तमिल बाबू ओडिशा में शासन कर रहा है और लोग राज्य को बाबू राज से मुक्त कराने के लिए भाजपा को वोट देंगे। ओडिशा में एक के बाद एक चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मौजूदा चुनाव नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने और ओडिशा के गौरव को बहाल करने का है, जिसे बीजेडी ने नष्ट कर दिया है।

हरियाणा में राजनाथ सिंह ने कुर्सी पर बैठकर की रैली

● बोले-करनाल सौभाग्यशाली; कांग्रेस में एक से एक जीव ● केजरीवाल ने अन्ना हजारे तक की बात नहीं मानी

करनाल (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हरियाणा दौरे पर हैं। उन्होंने करनाल के घरौंडा में रैली को संबोधित किया। यहां उन्होंने पूर्व सीएम एवं लोकसभा प्रत्याशी मनोहर लाल खट्टर के लिए वोट की अपील की। राजनाथ सिंह ने कहा- मनोहर लाल खट्टर जैसा प्रत्याशी आपको मिला है, आप भाग्यशाली हैं। कोई इन पर आरोप नहीं लगा सकता। आप कह रहे होंगे कि ये इनकी ज्यादा तारीफ कर रहे हैं। कुछ न कुछ तो है, जो प्रधानमंत्री तक इनकी तारीफ करते हैं। 2004 से लेकर 2014 तक कांग्रेस की सरकार थी, तब देश 11वें स्थान पर था। जब से हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए हैं, हम 11वें से 5वें स्थान पर पहुंच गए हैं। धन दौलत के मामले में हमारा दुनिया में डंका बोलता है। 2027 तक भारत दुनिया का तीसरा देश बन जाएगा। अमेरिका होगा, चीन होगा उसके बाद भारत होगा। 2047 तक भारत विश्व की महाशक्ति बनेगा। पाकिस्तानी सांसद ने कहा है कि भारत विश्व की महाशक्ति बनने जा रहा है। ये कहते हैं कि मोदी जी तानाशाह हैं। 1975 के चुनाव में इंदिरा गांधी चुनाव हार गई थीं, लेकिन उन्होंने क्या किया कि देश में इमरजेंसी लगा दी। मेरी उम्र भी 24 साल की थी। मुझे 18 महीने जेल में रहना पड़ा। कांग्रेस के कारण लोकतंत्र का गला का घोंटा गया। मेरी मां की सदमें में मौत हो गई। कांग्रेस सरकार ने मुझे पैरोल तक नहीं दी। राजनाथ सिंह ने कहा- इस समय हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। मनोहर लाल खट्टर जैसा प्रत्याशी आपको मिला है, आप भाग्यशाली हैं। कोई इन पर आरोप नहीं लगा सकता। आप कह रहे होंगे कि ये इनकी ज्यादा तारीफ कर रहे हैं। लेकिन मैं इनको आज से नहीं 40 साल से ज्यादा जानता हूं। कुछ न कुछ तो है, जो प्रधानमंत्री तक इनकी तारीफ करते हैं। मेरी बात सुन लो, भारत कमजोर भारत नहीं है।

हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट से वापस ली अपनी जमानत याचिका

● कोर्ट ने कहा-आपने जरूरी तथ्य छिपाए, लोकसभा चुनाव प्रचार में शामिल नहीं हो पाएंगे

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की जमानत याचिका के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई की। कोर्ट ने हेमंत सोरेन के वकील कपिल सिब्बल को फटकार लगाई। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की वेकेशन बेंच ने कहा- ईडी ने मामले को लेकर चार्जशीट दायर कर दी है। इसका संज्ञान ट्रायल कोर्ट ले चुका है, लेकिन आपकी याचिका में यह तथ्य है ही नहीं। आपने तथ्य क्यों छिपाए। कोर्ट ने सिब्बल को वॉर्निंग दी कि अगर कोर्ट मामले के डिटेल में जाएगा तो इससे सोरेन को नुकसान होगा। कोर्ट ने कहा- हमें उम्मीद थी कि आपका मुवक्किल स्पष्ट बातें बताएगा, लेकिन आपने अहम तथ्य छिपाए। मामले में कई महत्वपूर्ण डेवलेपमेंट हो चुके हैं। आपको हाईकोर्ट जाना चाहिए। कोर्ट की फटकार के बाद कपिल सिब्बल ने याचिका वापस ले ली।

देश की सुरक्षा सर्वोपरि है, तुरंत सरेंडर कर दो

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की पीएफआई सदस्यों की जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोपित प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े 8 लोगों को जमानत देने के मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने इन लोगों की जमानत रद्द करते हुए कहा कि उनके खिलाफ आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए पैसे इकट्ठा करने के आरोप 'प्रथम दृष्टया सच' प्रतीत होते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ 19 अक्टूबर, 2023 के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी की याचिका पर फैसला कर रही थी। पीठ ने कथित अपराधों की गंभीरता, कारावास की अवधि 1.5 वर्ष और एनआईए द्वारा पेश किए गए मटेरियल पर ध्यान दिया और हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने पर सहमति व्यक्त की। कोर्ट ने जमानत रद्द करते हुए सुनवाई में तेजी लाने का भी निर्देश दिया है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि 'आरोपियों के खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया सत्य हैं और यूएपीए की धारा 43डी(5) में निहित प्रावधान का आदेश आरोपियों को जमानत पर रिहा नहीं करने के लिए लागू होगा।' उन्होंने कहा कि अपराधों की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए और आरोप पत्र में बताए गए आरोपियों के पिछले आपराधिक इतिहास को भी ध्यान में रखना होगा। इसके अलावा, अभियुक्तों की हिरासत की अवधि बमुश्किल 1.5 वर्ष हुई है। इन तमाम बातों को ध्यान में रखते हुए उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश को कायम नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने आगे कहा कि यूएपीए आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने और देश में राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोपरि रखने के प्रयास को दर्शाता है। इस प्रकार यूएपीए के तहत आरोपी व्यक्तियों या संगठनों की नागरिक स्वतंत्रता पर लगाए गए।

पंजाब में मोदी के आने से पहले खालिस्तानी नारे लिखे, झंडा लगाया

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब के पटियाला में पीएम नरेंद्र मोदी की रैली से ठीक एक दिन पहले मंगलवार को रैली स्थल के पास एक बिल्डिंग पर खालिस्तानी झंडा लगाया मिला है। इसके अलावा एक जगह पर खालिस्तानी नारा भी लिखा पाया गया। इसके बाद से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने के बाद आनन-फानन पुलिस मौके पर पहुंची और झंडे को हटाया। साथ ही दीवार पर लिखे नारे को भी मिटाया गया। फिलहाल, पुलिस ने कोई मामला दर्ज नहीं किया है। हालांकि, प्रशासन अलर्ट पर है, क्योंकि हाल ही में आतंकी पन्नू ने एक वीडियो जारी कर पंजाब में माहौल बिगाड़ने की कोशिश की है। बताया जा रहा है कि झंडा मिनी सचिवालय रोड पर एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में लगाया गया था। यह बिल्डिंग पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के मीडिया सलाहकार रहे भरत इंदर सिंह चहल की है। वहीं, पुराने बस स्टैंड के पुल पर खालिस्तान का नारा लिखा गया था। इसे आते-जाते लोगों ने देखा और पुलिस को सूचना दी। इसी घटना के तुरंत बाद आतंकी पन्नू का एक वीडियो भी वायरल हुआ।

पोर्श एक्सीडेंट केस

नाबालिग पर अब ड्रिंक एंड ड्राइव का केस दर्ज

पुणे (एजेंसी)। पुणे में 18 मई की रात एक बिल्डर के नाबालिग बेटे ने शराब के नशे में अपनी पोर्श कार से बाइक को टक्कर मारी थी। हादसे में बाइक सवार इंजीनियर युवक-युवती की मौत हो गई थी। आरोपी को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने 15 घंटे में ही कुछ शर्तों के साथ रिहा कर दिया था, लेकिन बुधवार को उसे एक बार फिर बुलाया गया। दरअसल, पुणे पुलिस ने केस को गंभीर बताते हुए जुवेनाइल बोर्ड के फैसले के खिलाफ सेशन कोर्ट में अपील की थी। कोर्ट ने आदेश के रिव्यू के लिए पुलिस को जुवेनाइल बोर्ड जाने का निर्देश दिया था। इसके बाद बुधवार को पुलिस की अर्जी पर बोर्ड ने आरोपी को दोबारा बुलाया। पुलिस ने भी उसे पूछताछ के लिए बुलाया है। आरोपी युवक के पिता बिल्डर विशाल अग्रवाल को बुधवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 24 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। कोर्ट से ले जाने के दौरान कुछ लोगों ने पुलिस वैन पर स्याही फेंकी और नारेबाजी की। पुणे के पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने बताया- आरोपी 18 मई को रात करीब 10.40 बजे कोजी पब गया था। यहां उसने 90 मिनट में 48 हजार रुपए का बिल चुकाया।

● जुवेनाइल बोर्ड ने आरोपी को दोबारा बुलाया, पिता भी 24 मई तक पुलिस कस्टडी में

डॉ. जवाहर कर्नावट ताशकंद में व्याख्यान हेतु आमंत्रित

भोपाल (नप्र)। प्रदेश के प्रखर वक्ता, लेखक एवं भारत सरकार द्वारा विश्व हिंदी सम्मान से अलंकृत डॉ. जवाहर कर्नावट को ताशकंद स्टेट

यूनिवर्सिटी ऑफ़ ओरिएंटल स्टडीज, उज़्बेकिस्तान द्वारा 24-25 मई 2024 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया है। डॉ. कर्नावट ' पूर्व एवं पश्चिम के साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। इसके अलावा आप विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में 'हिंदी का वैश्विक मीडिया 'विषय पर भी संबोधित करेंगे। आप उज़्बेकिस्तान के ऐतिहासिक शहर समरकंद तथा बुखारा की शैक्षणिक यात्रा भी करेंगे।

नर्सिंग घोटाले में सीबीआई इंस्पेक्टर राहुल बर्खास्त

60 कॉलेजों की जांच इनके पास थी

डीएसपी -इंस्पेक्टर समेत 10 नए आरोपी, अब तक 23 पर एफआईआर

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच के लिए रिश्वत लेने के मामले में सीबीआई ने 10 नए आरोपी घोषित किए हैं। इनमें सीबीआई के ही डीएसपी और एक इंस्पेक्टर शामिल हैं। अब मामले में 4 सीबीआई अफसरों को मिलाकर आरोपियों की संख्या कुल 23 हो गई है। वहीं, सीबीआई इंस्पेक्टर राहुल राज को बर्खास्त कर दिया गया।

नए आरोपी डीएसपी आशीष प्रसाद और इंस्पेक्टर रिषिकांत असाठे भोपाल के शिवाजी नगर में रहते हैं। इससे पहले सीबीआई इंस्पेक्टर राहुल राज और सुशील कुमार मजोका गिरफ्तार किए जा चुके हैं। अफसरों की रिश्वतखोरी की शिकायत के बाद सीबीआई की 7 कोर टीम और 3 से 4 सहायक टीमों ने भोपाल, इंदौर, रतलाम समेत राजस्थान के जयपुर में 31 ठिकानों पर छापेमारी की थी। कुल 2.33 करोड़ नकद, चार सोने के बिस्किट और 36 डिजिटल डिवाइस जब्त की गईं। आरोपियों से 150 से अधिक अनाधिकृत दस्तावेज भी मिले।

600 कॉलेज में से 308 की दी थी जांच रिपोर्ट- सीबीआई सूत्रों का कहना है कि इस मामले में अब पूरी जांच टीम ही संदेह के दायरे में आ गई है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के आदेश पर गठित जांच टीम ने 600 में से 308 नर्सिंग कॉलेजों की जांच रिपोर्ट दी थी। इस टीम ने रीवा के सरकारी कॉलेज को अनफिट करार दिया था। वहीं, कई ऐसे कॉलेज हैं, जो फिट नहीं थे और उन्हें फिट बता दिया था। अब दिल्ली के सीबीआई अधिकारी, भोपाल के अफसरों को पूरे मामले से अलग रखकर हर संदेही की जानकारी जुटा रहे हैं। इसके लिए सोमवार तक गिरफ्तार किए गए आरोपियों को लेकर एक टीम दिल्ली गई है।

राहुल राज की टीम के पास 60 कॉलेजों की जांच थी- जांच में पता चला है कि नर्सिंग कॉलेजों के निरीक्षण के एवज में वसूली का गिरोह सीबीआई इंस्पेक्टर राहुल राज चलाता था। राहुल की टीम के पास 60 कॉलेजों की जांच थी। उसने अलग-अलग जिलों में बिचौलियों की टीम तैयार कर रखी थी। वह इनसे लगातार संपर्क में रहने के साथ बैठक भी करता था। जिस कॉलेज से सौदा तय होता था, उनके यहां निरीक्षण का समय और दिन पहले ही बता दिया जाता था। उगाही से मिली राशि राहुल राज राजस्थान के झालावाड़ निवासी धर्मपाल तक पहुंचाता था। इसके लिए भी इसी गिरोह के नेटवर्क का इस्तेमाल किया गया। सुमा भास्करन मलय नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल हैं। उन्हें भी सीबीआई ने गिरफ्तार किया है।

सुमा भास्करन ने दी थी 10 लाख की रिश्वत- सीबीआई की छापेमारी के दौरान सबसे पहले इंस्पेक्टर राहुल राज को 10 लाख रुपए लेते हुए गिरफ्तार किया गया था। रिश्वत देने वाले 4 अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया गया था। इनमें नर्सिंग कॉलेज के मालिक अनिल भास्करन की पत्नी सुमा भी शामिल थीं। सीबीआई ने दलाल के रूप में काम कर रहे ओम गोस्वामी, रवि भदौरिया और जुगल किशोर सहित तीन महिलाओं को भी गिरफ्तार किया है।

80 किमी की स्पीड से दौड़ी मेट्रो

अब सीएमआरएस जांच करेगी, अब डॉक्यूमेंट्स सबमिट की प्रोसेस, ट्रैक के नट-बोल्ट तक देखेगी दिल्ली की टीम

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के 2 बड़े शहर भोपाल और इंदौर में मेट्रो 80 किमी प्रति घंटे की स्पीड से दौड़ेगी। भोपाल में इस रफ्तार से ट्रायल भी हो रहा है। इस स्पीड में ट्रायल में कामयाबी मिलने के बाद अब दिल्ली से कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी को डॉक्यूमेंट सबमिट करने की प्रोसेस भी शुरू कर दी गई है। जैसे ही ये डॉक्यूमेंट्स सबमिट होंगे, दिल्ली से टीम भोपाल पहुंचेगी और ट्रैक के नट-बोल्ट तक देखेगी। सीएमआरएस के 'ओके' के बाद ही कमर्शियल रन शुरू होगा।

बता दें कि 3 अक्टूबर 2023 को भोपाल में पहली बार मेट्रो ट्रैक पर दौड़ी थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुभाषनगर से रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो में सफर किया था। इसके बाद से ही लगातार ट्रायल रन किया जा रहा है। हाल ही में मेट्रो सबसे ज्यादा स्पीड 80 किमी प्रति घंटे से दौड़ी। इतनी ही स्पीड में कमर्शियल रन भी होगा। हालांकि, इससे पहले सुरक्षा के तमाम पैमाने जांचें जाएंगे। जिसे सीएमआरएस टीम ही जांचेंगी। भोपाल में 30 से 80 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से मेट्रो ट्रैक पर दौड़ रही है।

ये देखेगी सीएमआरएस टीम- भोपाल में सुभाष नगर से आरकेएमपी तक ट्रैक, बिजली लाइन समेत वे सभी काम पूरे हो चुके हैं, जो मेट्रो को दौड़ाने के पैमाने होते हैं। इसीलिए लगातार तेज स्पीड में ट्रायल रन किया जा रहा है, जबकि कमर्शियल रन यानी, आम जनता के लिए इस साल के आखिरी या फिर वर्ष 2025 में मेट्रो दौड़ने लगेंगी। मेट्रो कार्पोरेशन के अफसरों का कहना है कि कमर्शियल रन से पहले सुरक्षा के लिहाज से कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी की टीम जांच करती है। जिसमें वह ट्रैक के नट-बोल्ट तक देखती है, क्योंकि यह मामला आम लोगों की सुरक्षा से जुड़ा होता है। इसलिए अब टीम को भोपाल बुलाएंगे।

सबकुछ ठीक मिला तो 'ओके' रिपोर्ट देगी टीम- निरीक्षण में यदि सबकुछ पैमाने और सुरक्षा के लिहाज से परफेक्ट मिलता है तो सीएमआरएस की टीम 'ओके' रिपोर्ट देगी। इसके बाद कमर्शियल रन की तारीख तय कर दी जाएगी।

अभी 5 स्टेशनों पर ट्रायल रन- भोपाल के सुभाष नगर से रानी कमलापति के बीच मेट्रो कोच को ट्रैक पर दौड़ाकर ट्रायल रन किया जा रहा है। ट्रायल रन में न्यूनतम 30 और अधिकतम 80 किमी प्रतिघंटा रफ्तार रहेगी।

3 कोच की एक ट्रेन, 3000 किमी दौड़ेंगे

मेट्रो के अधिकारियों के मुताबिक, भोपाल में अब तक 3-3 कोच की 5 ट्रेन आ चुकी हैं। प्रायोरिटी कॉरिडोर में इतनी ही ट्रेन जरूरी है। ट्रैक पर स्पीड टेस्टिंग पूरी होने के बाद अब हर ट्रेन को 3 हजार किलोमीटर दौड़ा रहे हैं। भविष्य में रफ्तार 90 किलोमीटर प्रतिघंटा भी रह सकती है।

साल के आखिरी में आम लोगों के लिए दौड़ सकती है मेट्रो

अक्टूबर 2023 में ट्रायल रन होने के बाद कहा जा रहा था कि मई-जून में कमर्शियल रन भी हो जाएगा, लेकिन अभी ट्रैक और स्टेशनों पर काफी काम बाकी है। 6.22 किमी लंबा प्रायोरिटी कॉरिडोर है। इसमें से सुभाषनगर से आरकेएमपी तक 5 स्टेशन भी शामिल हैं। इसके बाद डीएमआर ऑफिस, अलकापुरी और एम्स के बीच ट्रैक पर काफी काम बाकी है। वहीं, तीनों स्टेशनों का आधा काम ही बाकी है। अन्य 5 स्टेशनों पर भी इंटीरियर समेत अन्य काम बाकी है। ऐसे में अब मेट्रो साल के आखिरी में या फिर अगले साल ही आम लोगों के लिए दौड़ेगी। इससे पहले दिल्ली से टीम आएगी। टीम के निरीक्षण और 'ओके' के बाद ही कमर्शियल रन शुरू हो सकेगा।

दूसरे जत्थे में भोपाल से 143 यात्री हज पर रवाना

जेद्दा के लिए सीधी फ्लाइट उड़ी, 2 दिन में 320 यात्री पहुंचे

भोपाल (नप्र)। भोपाल से 143 हज यात्रियों का दूसरा जत्था बुधवार सुबह जेद्दा के लिए रवाना हुआ। भोपाल के एयरपोर्ट से जेद्दा के लिए सीधी फ्लाइट उड़ी। दो दिन में कुल 320 यात्री भोपाल से रवाना हुए हैं। सभी को गुलाब के फूल देकर विदा किया गया।

बुधवार सुबह करीब 5 बजे हज यात्रियों को लेकर फ्लाइट जेद्दा के लिए रवाना हुई। जाने से पहले राजा भोज एयरपोर्ट पर हज यात्रियों का स्वागत किया गया। हज कमेटी के अध्यक्ष रउफ वारसी ने बताया, करीब 7 घंटे के सफर के बाद सभी हज यात्री जेद्दा पहुंच गए। भोपाल एयरपोर्ट से सभी को गुलाब के फूल दिए और विदा किया। अध्यक्ष वारसी ने बताया, भोपाल से दो दिन में 2 फ्लाइट उड़ी है। जिसमें कुल 320 यात्री रवाना हुए हैं। वहीं, प्रदेश के करीब 7 हजार हज यात्रियों की रवानगी 21 मई से मुंबई एयरपोर्ट से हो रही है। यह सिलसिला 9 जून तक जारी रहेगा।

रात में ही एयरपोर्ट पहुंच गए

दूसरे जत्थे में भी ज्यादातर हज यात्री भोपाल के ही थे। कुछ बाहर के थे, जो मंगलवार रात में ही हज हाउस में पहुंच गए। रात 2 बजे सभी हज यात्री एयरपोर्ट पहुंच गए थे। हज हाउस में यात्रियों एवं उनके साथ आने वाले परिवारजनों के लिए बैठक व्यवस्था, कूलर, मोबाइल टॉयलेट, पार्किंग, पेयजल आदि की व्यवस्था की गई थी।

भोपाल से जेद्दा के लिए उड़ी सीधी फ्लाइट

भोपाल से 177 हज यात्रियों का जत्था मंगलवार सुबह जेद्दा के लिए रवाना हुआ। भोपाल से जेद्दा के लिए सीधी फ्लाइट उड़ी। सभी हज यात्रियों को गुलाब के फूल देकर विदा किया गया। दो दिन में कुल 380 यात्री रवाना होंगे। पहले दिन, मंगलवार सुबह साढ़े 5 बजे 177 यात्रियों को लेकर फ्लाइट जेद्दा के लिए रवाना हुई। जाने से पहले राजा भोज एयरपोर्ट पर हज यात्रियों का स्वागत किया गया। हज कमेटी के अध्यक्ष रउफ वारसी समेत अन्य पदाधिकारियों ने सभी को गुलाब के फूल दिए और विदा किया। अध्यक्ष वारसी ने बताया, 22 मई को भी भोपाल से फ्लाइट उड़ेगी। प्रदेश के करीब 7 हजार हज यात्रियों की रवानगी 21 मई से मुंबई एयरपोर्ट से हो रही है। यह सिलसिला 9 जून तक जारी रहेगा।

देवास में डंपर से टकराई कार , एक की मौत, 3 घायल ,टक्कर के बाद डंपर में लगी आग

भोपाल (नप्र)। देवास में इंदौर-बैतूल हाईवे पर बुधवार दोपहर करीब 2 बजे एक कार डंपर से टकरा गई। हादसा कलवार-कन्नौद के बीच हुआ। जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं 3 लोग घायल हो गए। घायलों को कन्नौद के सरकारी अस्पताल लाया गया है। जानकारी के अनुसार टक्कर के बाद डंपर में आग लग गई और कार के परखच्चे उड़ गए।

बारातियों से भरा ट्रक पलटा, 15 लोग घायल

मंडला (नप्र)। मंडला जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को बारातियों से भरा ट्रक बेकाबू होकर पलट गया। घटना सुबह करीब 9:30 बजे ग्राम इमलिगोहान के नजदीक हुई, जिसमें ट्रक में सवार 2 महिला और एक बच्चे सहित करीब 15 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस की सहायता से इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल महाराजपुर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शाजापुर की नगर परिषद पोलयाकला में आग, दस्तावेज जले

शाजापुर (नप्र)। शाजापुर में नगर परिषद पोलयाकला की राजस्व शाखा में बुधवार सुबह आग लग गई। जिसमें राजस्व विभाग, पीएम आवास योजना, खाद्य व निर्वाचन शाखा के रिकॉर्ड सहित अन्य सामान जल गया। सीएमओ सीएल कैथल ने बताया कि राजस्व विभाग सहित कई सरकारी योजनाओं का 90 प्रतिशत रिकॉर्ड राख हो गया। फायर ब्रिगेड 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा सकी। नगर परिषद अध्यक्ष पवन राजकुमार ने कहा कि आग के कारणों की जांच की जा रही है।

कोर्ट की नाफरमानी और करप्शन पर एक्शन

कमिश्नर के विरुद्ध जमानती वारंट के बाद सब इंजीनियर सस्पेंड, एक कैशियर को हटाया

भोपाल (नप्र)। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाने के चलते नगर निगम आयुक्त के विरुद्ध जमानती वारंट जारी होने पर उज्जैन नगर निगम के सब इंजीनियर और पूर्व भवन अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। एक अन्य मामले में लोकायुक्त की जांच के दायरे में आए बैरसिया नगर पालिका के कैशियर को हटाने का आदेश जारी किया है। कैशियर को नगर निगम ग्वालियर पदस्थ किया गया है।

रिश्वत लेते हुए थे ट्रेप, सरकार ने किया तबादला

उधर, एक अन्य मामला नगर पालिका बैरसिया में लोकायुक्त पुलिस की कार्यवाही में आए कैशियर से जुड़ा है। बताया गया कि सचिन कठाने कैशियर और सहायक लेखापाल नगर पालिका बैरसिया में पदस्थ हैं। इनके विरुद्ध लोकायुक्त पुलिस संगठन भोपाल में अपराध क्रमांक 45/24 धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज है। लोकायुक्त पुलिस ने इस कर्मचारी का तबादला बैरसिया नगर पालिका से अन्यत्र किए जाने के लिए नगरीय विकास और आवास विभाग को पत्र लिखा था।

इसके बाद ट्रेप और छापे के मामले में सामान्य प्रशासन विभाग के नियम के आधार पर कार्यवाही की गई है। ऐसे मामलों में आरोपी अधिकारी कर्मचारी के संबंध में किसी भी माध्यम से सूचना मिलने या केस संज्ञान में आने के तीन दिन के भीतर ऐसे अधिकारी कर्मचारी को उस पद से जिस पर रहते हुए वह ट्रेप हुआ है, या छापे की कार्रवाई की जद में आया है, उससे अन्यत्र हटाने का प्रावधान है। इसलिए सचिन कठाने कैशियर व सहायक लेखापाल का स्थानांतरण नगर निगम ग्वालियर में कर दिया गया है।

हाईकोर्ट के आदेश पर तलब हुए कमिश्नर, पूर्व भवन अधिकारी सस्पेंड

नगरीय विकास और आवास विभाग के आयुक्त भरत यादव ने उज्जैन नगर निगम में पदस्थ पूर्व भवन अधिकारी और उप यंत्री हर्ष जैन को सस्पेंड कर दिया है। निलंबन अवधि में जैन का मुख्यालय संभागीय संयुक्त संचालक कार्यालय नगरीय विकास इंदौर रहेगा, और जीवन निर्वाह भत्ता उज्जैन नगर निगम से मिलेगा। यादव द्वारा जारी आदेश के अनुसार जैन 11 जनवरी 2023 को जारी आदेश में प्रभारी भवन अधिकारी बनाए गए थे।

इसके बाद 23 अगस्त 2023 को अतिक्रमण को लेकर नेहा खट्टर ने शिकायत की थी जिस पर कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया था। इस पर कार्यवाही न किए जाने पर उच्च न्यायालय में प्रकरण लगा था जिसके बाद कोर्ट ने कार्यवाही के आदेश दिए थे। इस पर फिर जैन को कार्यवाही के आदेश दिए गए थे। हाईकोर्ट में दायर वाद क्रमांक डब्ल्यूपी 26258/2023 के मामले में दिए गए आदेश पर कार्यवाही करने के बजाय प्रभारी भवन अधिकारी जैन ने सिर्फ नोटिस देने का काम किया था।

इसके चलते हाईकोर्ट द्वारा पूर्व निगमायुक्त उज्जैन के विरुद्ध जमानती वारंट जारी किया गया था। इस तरह अतिक्रमण हटाने के मामले में पूर्व भवन अधिकारी और उपयंत्री की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए उनके निलंबन के आदेश जारी किए हैं।

यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने पदाधिकारियों से की वन-टू-वन चर्चा

मितेन्द्र ने पूछा- संगठन को मजबूत करने क्या है आपका प्लान, आज भी होगी बैठक

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह यादव ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पहली बार यूथ कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस परिचायत्मक बैठक में मितेन्द्र ने प्रदेश भर से आए पदाधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा की। सुबह 12 बजे से 5 बजे तक वन टू वन मुलाकात के दौरान चर्चा की। मितेन्द्र ने सभी पदाधिकारियों से वन-टू-वन मीटिंग में पूछा कि आपके क्षेत्र में यूथ कांग्रेस को मजबूत करने के लिए आपका पर्सनल प्लान क्या है।

चुनौतियां और समाधान पूछे

प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने प्रदेश भर से आए संगठन के पदाधिकारियों से चर्चा के दौरान पूछा कि वर्तमान समय में बन रही चुनौतियों से कैसे निपटा जाए। वर्कर्स ने इस पर अपने विचार साझा किए। मितेन्द्र ने बैठक में कहा मध्यप्रदेश में हमें युवा कांग्रेस संगठन को नया स्वरूप देकर गतिशील बनाना है, इसके लिए हम सब मिलकर संगठनात्मक लड़ाई जारी रखेंगे। यह याद रखना जरूरी है कि संघर्ष ही जीवन की सफलता का राज है।

संगठन में परफॉर्मेंस के आधार पर मिलेगा दायित्व

भोपाल आए कुछ पदाधिकारियों ने संगठन में नई जिम्मेदारियां देने की बात भी कही। कार्यकर्ताओं की बात सुनकर मितेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि संगठन में तेरा-मेरा नहीं, अब सिर्फ दिए गए टास्क के प्रदर्शन के आधार पर ही उन्हें दायित्व मिलेगा।

कल भी होगी बैठक

मितेन्द्र दर्शन सिंह यादव ने कहा कि यह वन टू वन चर्चा का दौर आज यानि 23 मई को भी इसी तरह प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में चलेगा। सुबह 11 से शाम 06.00 बजे तक युवा कांग्रेस पदाधिकारियों से चर्चा की जाएगी। गुरुवार को वन टू वन के लिए प्रदेश के सभी जिला और विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्षों को आमंत्रित किया गया है।

बताना होगा क्या काम किए

गुरुवार को होने वाली युवा कांग्रेस की समीक्षा बैठक में सभी प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों और विधानसभा अध्यक्षों को ये रिपोर्ट देनी होगी कि बीते छह महीने में उन्होंने क्या-क्या काम किए। विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में कौन से टास्क पूरे किए और क्या नवाचार किए।

- अपने कार्यक्षेत्र में कितने दौरे किए?
- युवाओं को जोड़ने के लिए क्या प्रयास किए?
- काम के दौरान क्या चुनौतियां आईं?
- कौन-कौन से आंदोलन, धरना, प्रदर्शन किए?
- राजनैतिक कार्यक्रमों के अलावा सांस्कृतिक, सामाजिक, और स्पोर्ट्स के कितने कार्यक्रम आयोजित किए?

मितेंद्र ने मांगा दो महीने का प्लान

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र सिंह ने सभी पदाधिकारियों से अगले दो महीनों का प्लान मांगा है। जिसमें सभी पदाधिकारियों को अपने प्लान में यह बताना होगा कि नए युवाओं को जोड़ने के लिए उनके पास क्या योजना है। नए युवाओं को संगठन में जिम्मेदारी देने के लिए क्या क्राइटेरिया फिक्स किया है। चुनावों में जो कमियां रहीं उन्हें कैसे दूर करेंगे। संगठन में जो युवा अच्छा काम कर रहे हैं उन्हें आगे बढ़ाने के लिए क्या प्लान है। जिले में युवाओं से जुड़े कौन से ऐसे मुद्दे हैं जिनपर युवा कांग्रेस आंदोलन करने जा रहा है।

भूरिया हिमाचल प्रचार में व्यस्त

दो दिनों तक होने वाली बैठकों में यूथ कांग्रेस के निर्वतमान प्रदेश अध्यक्ष डॉ विक्रांत भूरिया शामिल नहीं होंगे। करीब एक महीने पहले डॉ विक्रांत भूरिया ने पिता के चुनाव प्रचार में वक्त देने के कारण युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे दिया था। भोपाल में हो रही पहली बैठक में भूरिया शामिल नहीं होंगे। उनके करीबियों का कहना है कि वे हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं।

संपादकीय

नाबालिग का अक्षम्य अपराध

पुणे में एक नाबालिग द्वारा शराब के नशे में अपनी बिना नंबर की लग्जरी पोर्शे कार से दो युवाओं को कुचलने के बाद भी जुवेनाइल कोर्ट ने जिस तरह मामले को अंगभीरता से निपटाने और स्थानीय पुलिस द्वारा लीपा पोती करने के प्रयास उजागर होने के बाद यह सवाल फिर रेखांकित हुआ है कि क्या इस देश में अमीरों को कुछ भी करने की छूट है? क्या एक सामान्य नागरिक की जान की कोई कीमत नहीं है? जब ये पूरा मामला मीडिया में उछला और जब इस पर राजनीति शुरू हो गई जब जाकर महाराष्ट्र सरकार जागी और राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने पुलिस को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। दो निर्दोष युवाओं की हत्या के आरोपी नाबालिग पर अब वयस्क अपराधी की तरह मुकदमा चलेगा। उसे सजा दिलाई जाएगी। साथ ही पुलिस ने नाबालिग विशाल अग्रवाल के पिता को गिरफ्तार किया है साथ ही पब में नाबालिग ने बेहिसाब शराब पी थी, उसके खिलाफ भी कार्रवाई शुरू कर दी है। अब तक जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक शनिवार रात पुणे के कल्याणी नगर में एक नाबालिग ने अपनी पोर्शे कार से बाइक पर सवार एक युवक और युवती को कुचल दिया, जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ये लोग रात 10 से 12 के बीच मुंडवा इलाके में कई जगह शराब पी चुके थे। जब पुलिस ने नाबालिग को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया तो अदालत ने उसकी कम उम्र देखते हुए अजीब शर्तों के साथ तुरंत जमानत दे दी। पुलिस एफआईआर के मुताबिक इस कार में कोई नंबर प्लेट नहीं थी और इसे चलाने वाले नाबालिग की उम्र 17 साल 8 महीने है। लेकिन कोर्ट ने नाबालिग को जमानत की जो शर्तें लगाईं उनमें नाबालिग अभियुक्त को 15 दिन तक ट्रैफिक पुलिस के साथ चौराहे पर खड़े होकर ट्रैफिक में मदद करनी होगी। साथ ही ट्रैफिक नियमों को समझने के बाद एक रिपोर्ट तैयार कर आरटीओ को सौंपनी होगी। आरोपी को सड़क दुर्घटनाओं और उनके समाधान पर 300 शब्दों का निबंध लिखना होगा, नाबालिग को शराब छोड़ने के लिए मनोचिकित्सक विशेषज्ञों से इलाज कराना होगा, शराब से छुटकारा पाने के लिए मुक्तांगण व्यसन मुक्ति केंद्र की मदद लेनी होगी, अगर भविष्य में वह कोई दुर्घटना देखे तो उसे दुर्घटना पीड़ितों की मदद करनी होगी। ऐसी शर्तें किसी सामान्य अपराध में सही हो सकती हैं, लेकिन नाबालिग ने जो किया, वह तो सीधे-सीधे हत्या है। सवाल यह भी है कि बिना नंबर की पोर्शे उस नाबालिग के हाथ आई कैसे? उसे पब मैनेजर ने शराब परोसने से इंकार क्यों नहीं किया? जुवेनाइल कोर्ट ने इस पूरे मामले को इतने हल्के में क्यों लिया? क्या इसके पीछे कोई दबाव या प्रलोभन था या फिर लापरवाही थी? हालांकि अब पुणे पुलिस आयुक्त का कहना है कि पुलिस कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ सेशन कोर्ट में अपील करेगी। इस घटना में मृत दोनों युवक व युवती मप्र के थे। इसलिए मप्र सरकार भी इस प्रकरण में न्याय चाहती है। नाबालिग का पिता विशाल घटना के बाद भागने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने उसे धर दबोचा। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी का पिता बहुत बड़ा रियल इस्टेट कारोबारी है और उसके अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन से भी रिश्ते हैं। इसके बाद मामला और भी गंभीर हो गया है। लिहाजा पुलिस और कोर्ट को बिना दबाव में आए निष्पक्षता से जांच कर दोषी को सजा देना चाहिए। इस देश में किसी को भी इस तरह किन्हीं निर्दोषों की जान लेने का हक किसी को नहीं है।

अमीर होते देश में आत्महत्या करते लोग

नजरिया

विवेकानंद माथने

लेखक 'आजादी बचाओ आंदोलन' एवं 'किसान स्वराज आंदोलन' से संबद्ध हैं।

भारत में बढ़ती आत्महत्याएं चिंता का विषय है। वैसे इसके कई कारण दिये जा सकते हैं, लेकिन आत्महत्या मुक्त भारत की दिशा में आगे बढ़ने और उसके सही कारणों को जानकर उपाय करना जरुरी है। 'एनसीआरबी' (नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो) की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हुई आत्महत्याओं का आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षणिक और आयु के आधार पर विश्लेषण करने पर जो तस्वीर उभरती है, उससे स्पष्ट होता है कि बढ़ती आत्महत्याओं के लिये सरकारी नीतियां अधिक जिम्मेदार हैं।

'एनसीआरबी' की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2022 में कुल 1 लाख 70 हजार 924 आत्महत्याऐं हुई हैं और आत्महत्याओं की दर 12.4 रही है। भारत में प्रतिदिन 468 आत्महत्याएं हुई हैं। वर्ष 2014 में कुल 1 लाख 31 हजार 666 आत्महत्याएं हुई थीं और आत्महत्याओं की दर 10.6 रही थी। पिछले 9 साल में आत्महत्याएं और उसकी दर निरंतर बढ़ती जा रही है। 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' के आंकड़ों के अनुसार 2019 में दुनिया में 7 लाख 3 हजार आत्महत्याएं हुई हैं। इसमें से 77 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हुई हैं। वैश्विक स्तर पर 15 से 29 साल के बच्चों में आत्महत्या मृत्यु का चौथा प्रमुख कारण रहा है। आत्महत्या की दर भेदभाव के शिकार हुये कमजोर समूहों में अधिक है। संख्या की दृष्टि से आत्महत्याओं में भारत दुनिया में नंबर एक पर है।

आत्महत्याओं के लिये मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत समस्याएं, सामाजिक और आर्थिक कारक प्रमुख कारण माने जाते हैं। मानसिक कारकों में अवसाद, चिंता, तनाव और सामाजिक-आर्थिक कारकों में गरीबी, बेरोजगारी, कर्ज, सामाजिक बहिष्कार, भेदभाव आत्महत्या के जोखिम को बढ़ाते हैं। संघर्ष, आपदा, हिंसा, दुर्व्यवहार, नुकसान का अनुभव और अकेलेपन की भावना आत्मघाती व्यवहार से करीबी से जुड़ी हुई है। संकट के क्षणों में आवेग में अधिक आत्महत्याएं होती हैं।

शैक्षणिक स्थिति के आधार पर दसवीं कक्षा से कम पढ़े 67.9 प्रतिशत और दसवीं से बारहवीं कक्षा तक पढ़े 15.9 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। कुल आत्महत्याओं में 12 वीं कक्षा तक पढ़े 83.8 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की हैं। इनमें से 9 प्रतिशत लोगों की शिक्षा की जानकारी नहीं है। इसमें बारहवीं से कम की संख्या जोड़ने पर बारहवीं तक पढ़े लोगों में आत्महत्याऐं करने वालों की संख्या में और बढ़ोतरी होगी। आत्महत्याओं में बारहवीं से अधिक पढ़े 7.2 प्रतिशत लोगों का समावेश है।

आर्थिक स्थिति के आधार पर वार्षिक 1 लाख रुपये से कम आय वर्ग में, याने मासिक 8 हजार रुपये से कम मासिक आय वर्ग में 64.3 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। वार्षिक 1 से 5 लाख रुपये आय वर्ग, याने मासिक 8 हजार से 42 हजार रुपये आय वर्ग में 30.7 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्याएं की हैं। कुल आत्महत्याओं में 5 लाख से कम आय वर्ग में 95 प्रतिशत लोगों ने और 5 लाख से अधिक आय वर्ग में 5 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की हैं।

व्यवसायिक स्थिति के आधार पर गृहिणी 14.8 प्रतिशत, विद्यार्थी 7.6 प्रतिशत, बेरोजगार 9.2 प्रतिशत, स्वयं रोजगार करने वाले 11.4 प्रतिशत, खेती कार्य करने वाले 6.6 प्रतिशत, दैनिक मजदूरी करने वाले 26.4 प्रतिशत लोग हैं। वेतन पाने वाले 9.6 प्रतिशत और सेवानिवृत्त 0.8 प्रतिशत हैं। अन्य 13.5 प्रतिशत हैं। इससे एक बात स्पष्ट होती है कि लगभग 76 प्रतिशत आत्महत्याएं असुरक्षित रोजगार के क्षेत्र में हुई हैं। अज्ञात आंकडों में जोड़ने से यह आंकडा और बढ़ेगा।

आयु के आधार पर कुल आत्महत्या पीडितों में सबसे अधिक 59 हजार 108 याने 34.58 प्रतिशत आत्महत्याएं 18 से 30 साल आयु के लोगों की हुई हैं और 54 हजार 351 याने 31.8 प्रतिशत आत्महत्याएं 30 से 45 साल आयु के लोगों की हुई हैं। व्यक्ति को आर्थिक और सामाजिक स्थिरता प्राप्त करने के लिहाज से यह उम्र सबसे महत्वपूर्ण होती है। कुल आत्महत्याओं में 5 लाख से कम आय वर्ग में 95 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की हैं। 12 वीं कक्षा तक पढ़े 83.8 प्रतिशत लोगों ने आत्महत्या की है। 76 प्रतिशत से अधिक आत्महत्या असुरक्षित रोजगार के क्षेत्र में हुई है। रोजगार और आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने की उम्र में 66.38 प्रतिशत आत्महत्या हुई हैं।

भारत में कुल आत्महत्याओं का आर्थिक, व्यवसायिक, शैक्षणिक और आयु के आधार पर विश्लेषण करने से स्पष्ट होता है कि आत्महत्याओं के लिये गरीबी, शिक्षा की कमी और असुरक्षित रोजगार अधिक जिम्मेदार है। ये आंकडे भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था, शिक्षा व्यवस्था और खेती-किसानी की दुर्दशा तथा बढ़ती बेरोजगारी से युवाओं में बढ़ते तनाव की स्थिति को दर्शाते हैं।

देश में 95 प्रतिशत किसानों की औसत आय 1 लाख रुपये से कम है। उनकी आय की कोई गारंटी नहीं है। किसानों के बेटी-बेटों की शादी में दिक्कत आ रही है। सरकार कहती है कि किसानों के सुशिक्षित बच्चे खेती नहीं करना चाहते, लेकिन उपरोक्त आकडों से यह स्पष्ट होता है कि जिन कारकों के चलते आत्महत्याएं हो रही हैं, उन सभी में किसान परिवार के सदस्य किसी-न-किसी से जुडे हैं। 'एनसीआरबी' की रिपोर्ट में किसानों की आत्महत्याओं की संख्या कम दर्ज करके उसे छुपाने का प्रयास किया गया है।

कृषि कार्य में किसान का पूरा परिवार जुड़ा होता है। केवल खेती नाम पर नहीं होने या कर्ज ना होने के कारण किसी आत्महत्या को किसान की आत्महत्या दर्ज न करना किसानों के प्रति साजिश है। किसान परिवार में हुई आत्महत्या को खेती में दर्ज करना चाहिये। उद्योग और सार्वजनिक क्षेत्र को निजी कंपनियों के हाथों सौंपा जा रहा है। अब व्यापार को भी कारपोरेट्स के हवाले किया जा रहा है। पारिवारिक खेती को कारपोरेट खेती में बदला जा रहा है। देश के चंद कारपोरेट घरानों के पास संपत्ति इकठा हो रही है। दूसरी तरफ 80 करोड लोगों को 5 किलो अनाज पर आश्रित बनाया गया है।

भारत सरकार आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या और दर को रोकने में पूर्णता असफल हुई है। सभी को स्वास्थ्य सुविधा और हाथों को काम देने वाली शिक्षा देने में असफल हुई है। किसान और असंगठित कामगारों को सुनिश्चित आय प्रदान करने में असफल हुई है। बेरोजगारी दूर करने के उपाय करने और 'एमएसएमई' (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) की नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने में असफल हुई है। भारत सरकार की गलत नीतियों के कारण आत्महत्याओं के कारकों में बढ़ोतरी होने से आत्महत्याऐं लगातार बढ़ रही हैं। (सप्रेस)

शिक्षा

ऋचा पांडे

लेखक पत्रकार हैं।

लड़कियों को पढ़ाने के लिए क्यों गंभीर नहीं है समाज?

पिछले कुछ वर्षों में बिहार में जिन क्षेत्रों में सबसे अधिक बदलाव और प्रगति हुई है उसमें शिक्षा का क्षेत्र प्रमुख है. समय पर शिक्षकों के आने और सभी कक्षाओं का समय पर संचालित होने से स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ने लगी है. शहर ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचों में सुधार किया गया है. माना जाता है कि इसका सबसे अधिक लाभ बालिका शिक्षा में देखने को मिलेगा. एक ओर जहां राज्य सरकार लड़कियों की शिक्षा का प्रतिशत बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, पोशाक योजना और साइकिल योजना जैसी अनेकों योजनाएं चला रही है वहीं स्कूलों की दशा को सुधारने से उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना आसान हो गया है.

प्रशासनिक स्तर पर किशोरी शिक्षा के मामले में भले ही प्रगति हुई हो लेकिन सामाजिक स्तर पर आज भी लड़कियों को पढ़ाने के प्रति सोच बहुत अधिक विकसित नजर नहीं आता है. केवल ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं, बल्कि शहरी क्षेत्रों में आबाद कई ऐसे स्लम एरिया हैं जहां लड़कियों को उच्च शिक्षा मिलने के अवसर बहुत सीमित होते हैं. बिहार की राजधानी पटना शहर के बीचों बीच आबाद स्लम एरिया अदालतगंज इसका एक उदाहरण है. पटना जंक्शन के करीब आबाद इस स्लम बस्ती की आबादी लगभग एक हजार के आसपास है. तीन मोहल्ले अदालतगंज, ईख कॉलोनी और ड्राइवर कॉलोनी में बटे इस इलाके में शिक्षा की लौ तो पहुंच गई है लेकिन अभी भी पूरी तरह से जगमगाती नजर नहीं आती है. इन कॉलोनियों में कुछ ही किशोरियां हैं जो 12वीं के बाद आगे उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सफल हो पाई हैं.

इस स्लम एरिया में अधिकतर परिवार रोजी रोटी की तलाश में दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आकर आबाद हुआ है. इसमें अनुसूचित जाति और ओबीसी समुदाय की बहुलता है. ड्राइवर कॉलोनी में रहने वाले अधिकतर परिवारों के पुरुष ऑटो चलाने का काम करते हैं वहीं ईख कॉलोनी में रहने वाले परिवारों के पुरुष पटना शहर के विभिन्न इलाकों में गन्ने का जूस बेचने का काम करते हैं. काम के अनुरूप ही इन दोनों कॉलोनियों का नाम स्थापित हो गया है. इन निम्न मध्यवर्गीय परिवारों में लड़कियों की शिक्षा को लेकर अभी भी बहुत अधिक जागरूकता देखने को नहीं मिलती है. यहां आज भी लड़कियों की तुलना में लड़कों की शिक्षा को प्राथमिकता दी जाती है.

इस संबंध में 18 वर्षीय कविता (बदला हुआ नाम) कहती है कि 12वीं के बाद उसकी पढ़ाई छुड़वा दी गई क्योंकि उसके भाई को आगे पढ़ना था. वह कहती है कि 'हम 3 बहनें और एक भाई है. भाई अभी 10वीं में है जबकि बाकी दो बहनें छठी और आठवीं में पढ़ रही हैं. घर में पैसों की कमी है. पिताजी को ड्राइवरी से इतनी आमदनी नहीं होती है कि वह घर का खर्च चलाने के साथ साथ हम भाई-बहनों की शिक्षा का भी खर्च उठा सकें. इसलिए 12वीं के बाद मेरी पढ़ाई छुड़वा दी गई ताकि भाई की शिक्षा पर पैसा खर्च किया जा सके.' वह कहती है कि मुझे भी कॉलेज जाने का शौक था, लेकिन जब बात पैसों की आती है तो पहले लड़की की पढ़ाई छुड़वा दी जाती है.

कविता के पड़ोस में संध्या कुमारी (नाम परिवर्तित) का घर है. घर के गंदे बर्तनों के ढेर को धोते हुए वह बताती हैं कि 'उसके घर में बड़े भैया की मर्जी चलती है. किसे कितना पढ़ना है और नहीं पढ़ना है इसका फैसला वही करते हैं. 10वीं में उसके कम नंबर आने की वजह से भैया ने उसकी पढ़ाई छुड़वा कर मां के साथ घर के कामों में हाथ बटाने को कहा है. हालांकि वह आगे पढ़ना चाहती थी लेकिन भैया ने उसे पढ़ाई छोड़ कर घर का काम करने को कहा है. वह बताती है कि उसके भैया स्वयं 12वीं से आगे नहीं पढ़े हैं. संध्या के अनुसार घर में अब उसकी शादी की बात की जा रही है. जबकि वह शादी नहीं बल्कि आगे पढ़ना चाहती है. वहीं 15 वर्षीय पूजा बताती है कि दो वर्ष पूर्व किन्हीं कारणों से उसका स्कूल से नाम काट दिया गया था. जिसके बाद वह फिर कभी स्कूल नहीं गई. वह कहती है कि 'स्कूल में दोबारा नामांकन के लिए उसके पिता या घर के किसी सदस्यों ने कभी गंभीरता नहीं दिखाई, इसलिए अब उसे भी पढ़ने में रुचि खत्म हो चुकी है.'

हालांकि इसी कॉलोनी में रहने वाली प्रतिमा बताती है कि वह बीए सेकेंड ईयर की छात्रा है. उसे घर में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिले हैं. वह कहती है कि जब तक उसकी शादी नहीं हो जाती है तब तक उसे पढ़ने की आजादी मिली हुई है. मोहल्ले की अधिकतर लड़कियों के साथ यही होता है. कुछ घरों में उन्हें पढ़ने की तबतक छूट रहती है जब तक उनकी शादी नहीं हो जाती है. प्रतिमा के अनुसार इन स्लम बस्तियों में अधिकतर लड़कियां 12वीं से आगे नहीं पढ़ पाती हैं. वह बताती है कि स्कूल के दिनों में वह खेलकूद में भी भाग लिया करती थी लेकिन जब कॉलेज में एडमिशन लिया तो घर वालों ने कॉलेज में किसी भी प्रकार की खेलकूद गतिविधियों में भाग लेने से मना कर दिया क्योंकि खेलने के लिए उसे पटना से बाहर भी जाना पड़ सकता था. घर वालों का कहना है कि खेलकूद करने वाली लड़की की शादी में अड़चन आती है.

इस संबंध में समाज सेविका फलक का कहना है कि 'अदालतगंज भले ही राजधानी पटना शहर के बीचो बीच स्थित है लेकिन यहां अभी भी जागरूकता का काफी अभाव है. विशेषकर लड़कियों की शिक्षा और उनसे जुड़े मुद्दों पर परिवार वालों की सोच बहुत संकुचित है. वह लड़कियों को शिक्षित करने के प्रति अभी भी बहुत अधिक गंभीर नहीं हैं. 12वीं के बाद या तो उनकी शादी करा दी जाती है या फिर पढ़ाई छुड़वा कर घर के कामों में लगा दिया जाता है. बहुत कम संख्या में ऐसा परिवार है जहां लड़कियों ने ग्रेजुएशन में एडमिशन लिया हो और उसे पूरा भी किया हो. वह कहती हैं कि बालिका शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की विभिन्न योजनाओं के बावजूद अदालतगंज स्लम बस्ती में लड़कियों की शिक्षा के प्रति बहुत अधिक जागरूकता का नहीं होना चिंता का विषय है.'

हमारे देश में शिक्षा आज भी एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है. विशेषकर जब महिला साक्षरता दर की बात की जाती है तो इसमें काफी कमी नज़र आती है. इंडियास्पेंड की एक रिपोर्ट के अनुसार माध्यमिक स्तर पर लड़कियों की नामांकन दर में पर्याप्त सुधार हुआ है. वर्ष 2012-13 में 43.9 फीसद की तुलना में वर्ष 2021-22 में बढ़कर 48 फीसद पर पहुंच गई है. लेकिन बड़ी संख्या में किशोर लड़कियां अभी भी स्कूल से बाहर हैं. साल 2021-22 में जहां देश में शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर लड़कियों की स्कूल छोड़ने की दर 1.35 प्रतिशत है, वहीं माध्यमिक स्तर पर यह बढ़कर 12.25 प्रतिशत हो गई है. वहीं अगर बिहार की बात करें तो 2011 की जनगणना के अनुसार देश में महिला साक्षरता का राष्ट्रीय औसत जहां करीब 65 प्रतिशत है वहीं बिहार में महिला साक्षरता की दर मात्र 50.15 प्रतिशत दर्ज किया गया है. जो राष्ट्रीय औसत से काफी कम है. यह इस बात को इंगित करता है कि केवल योजनाओं के क्रियान्वयन से नहीं बल्कि धरातल पर जागरूकता फैलाने की भी ज़रूरत है. सामाजिक स्तर पर बालिका शिक्षा के प्रति चेतना जगाने की आवश्यकता है ताकि समाज लड़कों की तरह लड़कियों की शिक्षा के महत्व को भी समझ सके. (चरखा फीचर)

खगोलीय घटना से उपजा धूमकेतु!

कटाक्ष

प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

ब्रह्मा जी ने जब सृष्टि का निर्माण किया था तब से ही समूचे ब्रह्मांड में खगोलीय घटनाएं होती रही है। ये घटनाएं आज भी हो रही हैं। हमें पढ़ाया गया या हरी संटी के दम पर जबरन रटवाया गया कि उल्काएं होती हैं। आकाश गंगा में अनगिनत धूमकेतु भी मंडराते रहते हैं। फिर वैज्ञानिकों ने टेलीस्कोप बना लिया। ऐसी घटनाओं को देखने की दिव्य दृष्टि मिल गई। यूं कि अनायास होने खगोलीय घटना को आज नंगी आंखों से भी देखी जा सकती है। एक दशक पहले देश में एक अतिविचित्र खगोलीय घटना हुई थी। इसे देश के साथ पूरे विश्व ने बिना टेलीस्कोप से देखा। देश में बेरोजगारी, महंगाई, महाभ्रष्टाचार, गरीबी और इन सब से परेशान जनता को मोक्ष प्रदान करने के लिए इहलोक में धूमकेतु का उद्भव हुआ। इस धूमकेतु ने अवतरण लेते हुए सबसे पहले उस कालेधन को अपनी चमक-चमत्कार से उजला कर दिया। भारतीय मुद्रा जो चलन में थी उसमें चिपके महात्मा का स्थान परिवर्तन कर सतरंगी मुद्राएं सरपट दौड़ने लगी। इनमें से एक रंग ने तो 6-8 साल में ही अवसान ले लिया। मुद्राएं उगलने वाले कम्प्यूटरीकृत डिब्बे के पेट का आकार भी घटाना पड़ा या यूं कहें कि पिछले 55-60 सालों में चढ़ी चर्बी घटाने में धूमकेतु से महामानव बनते एक मानव ने खास भूमिका निभाई। धूमकेतु पूरे ब्रह्मांड (विश्व) में चक्कर भी लगाने लगा। इतने चक्कर लगा लिए कि बेरोजगारी की रेल आउटर पर ही खड़ी है। महंगाई का चक्रवात पूरे आसमान पर छा गया। भ्रष्टाचार की धुलाई के लिए चाइना बॉर्डर से विशेष वॉशिंग मशीन का सॉफ्टवेयर आयातित करवाया। अब पूरा एक वर्ग भ्रष्टाचार मुक्त हो रहा है। धूमकेतु ने अपनी शक्ति दुगनी करने के लिए अपने उप-ग्रह भी तैयार कर रखे हैं। जो कालेधन कमाने वाले लोगों पर दबिश देकर उन्हें वाशिंग मशीन के हवाले करने में जी-जान से जुटे हैं। सबसे अहम यह कि इस हाईटेक युग में ये स्वचालित न होकर रिमोट चलित हैं। जैसे ही कमांड मिलता है तो ये उप-ग्रह (जिन्हें सोशल मीडिया में ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग के नाम से संबोधित किया जाने लगा है।) अपने काम पर लग जाते हैं। हो ये रहा है कि सभी वर्ग विशेष अपनी अंतर आत्मा का हवाला देकर एक बार मशीन में धुलाई के लिए दरवाजे पर लाइन लगाए खड़े हैं। जिनके ऊपर हजार करोड़ का चार्ज हैं, उनके लिए चट मंगनी के स्लोगन की तर्ज पर कुंदी खोल दी जाती है। समाचार तंत्र तो धूमकेतु के वलय के आभा मंडल से इतना मोहित है कि बस वाहः वाहः ही देखता है और जनता की आह-आह उनके माइक से टकराकर दम तोड़ देती है। तारीफ करने वाले हरकारे पुरस्कार पाते हैं और विरोध में चीं बोलने वाले हरकारे दंड में गोली और जेल पाकर अपना जन्म सिद्ध करवा रहे हैं। जब से यह धूमकेतु उदित हुआ है तब से देश की जनता को चुनाव का असली मतलब और लोकतंत्र का पाठ समझ में आया है। संविधान के पन्ने भी अब तो फड़फड़ाने लगे हैं। दौरे, रैलियों, रोड शो और 48 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान के भाषण भी धूमकेतु के साथ चुनावी मोड में रहते हैं। इधर, देश का भाईचारा साम्प्रदायिक हो गया और उसके पास कोई चारा नहीं बचा। देश की जनता मदारी के बंदर की गुलाटियां, पलटबाजी और अभिनय देखकर ताली पीट रही है और लोकतंत्र केवल अब दो स्तंभ पर खड़े रहने को मजबूर है और कोई नए धूमकेतु का बेसब्री से इंतजार कर रही है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

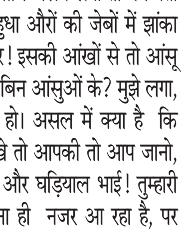

अशोक गौतम

लेखक व्यंग्यकार हैं।

किस्सा घड़ियाल की बिन आंसुई आंखों का

स्वास्थ्य लाभ के बहाने मार्निंग टॉक करता आज भी निकला था कि रास्ते में घड़ियाल मिल गया। जनाब भी मार्निंग वॉक करने के बहाने मार्निंग टॉक करने निकले थे। यही तो वक्त होता है जब चंद लोग सड़क में चलते हुए मिल जाते हैं, उनसे दुआ सलाम हो जाती है। वर्ना शेष सारा दिन तो खुद ही खुद की सलामती की दुआएं करते रहो।

घड़ियाल मेरे हाल चाल पूछता मेरे साथ साथ चलने लगा तो मैंने पता नहीं क्यों उसकी आंखों में झांका। वैसे मैं बहुधा औरों की जेबों में झांका करता हूं। उसकी आंखों में झांका तो लगा, यार! इसकी आंखों से तो आंसू गायब हैं तो अचंभा हुआ। घड़ियाल की आंखें बिन आंसुओं के? मुझे लगा, उसकी आंखों में कहीं कोई दिक्कत न हो गई हो। असल में क्या है कि जिनकी जो फितरत होती है, उनमें वह न दिखे तो आपकी तो आप जानो, पर मेरे जैसे बंदे परेशान जरूर हो जाते हैं। 'और घड़ियाल भाई! तुम्हारी आंखें कैसी हैं? तुममें और तो सक्कुछ पुराना ही नजर आ रहा है, पर तुम्हारी आंखों में आंसू नजर नहीं आ रहे? आखिर क्या हो गया तुम्हारी आंखों को? मेरी समझ से इससे पहले कि आंखों का कुछ का कुछ हो जाए किसी हड्डियों के अच्छे से डॉक्टर को अपनी आंखें बता लो।'

' ऐसा कुछ नहीं भाई साहब जैसा आप समझ रहे हैं। पर इसके लिए दिल से थैंक यू कि आपने कम से कम मेरी आंखों में तो झांका। मेरी आंखें बिल्कुल ठीक हैं। क्या है न कि आजकल इनमें आंसू नहीं।' 'पर क्यों? जनता की आंखों की तरह तुम्हारी आंखों के आंसू भी क्या रोते रोते सूख गए?'

'नहीं भाई साहब! ऐसा भी कुछ नहीं। जनता की आंखों के आंसू रोते रोते सूख गए हों तो सूख गए हों। वह भी बेचारी अब कितना रोए? जनता ने तो अब न रोने से समझौता कर लिया है।'

' तो तुम्हारी इन आंखों के आंसू? बिन आंसुओं के घड़ियाल की आंखें सुंदर नहीं लगती रे घड़ियाल।'

'इसके लिए माफी चाहूंगा भाई साहब! असल में क्या है न पिछले हफ्ते एक नेताजी मेरे घर आए। दोनों हाथ जोड़े अपनी टोपी मेरे चरणों में रख बोले,' रे घड़ियाल भाई! अब मेरी जीत तुम्हारे हाथ। तुम तो जानते ही हो कि चुनाव के दिन हैं। चुनाव के दिनों में बात बात पर जो नेता जनता के आगे जितना रोता है वह उतना ही कुर्सी पर अगले पांच सालों के लिए कुंभकरण हो सोता है। चुनाव प्रचार के दौरान जनता के आगे बात बात पर रोते रोते मेरे आंसू खत्म हो गए हैं। अब मैं तुम्हारी शरण में आया हूं।'

'तो कहिए मैं आपके किस तरह काम आ सकता हूं?' मैंने द्रवित हो नेताजी से पूछा तो वे बोले,' कुछ दिनों के लिए अपने आंसू उधार दे दो तो चुनाव खत्म होते ही मैं तुम्हें तुम्हारे आंसू सादर सूद सहित लौटा दूंगा। मैं तुम्हें आश्वासन देता हूं।'

'पर नेता पर विश्वास कौन करे? कलको कहीं ऐसा न हो कि तुम मुझसे मेरे आंसू उधार लेकर लौटाने से मुकर जाओ और मैं सदियों से चली आ रही कहावत से हाथ धो बैठूं,' मैंने दो टूक कहा तो वे बोले,' मैं जनता से धोखा कर सकता हूं पर अपने मौसेरे भाई से नहीं। मैं अपने खुदा से धोखा कर सकता हूं, पर अपने मौसेरे भाई से नहीं। मुझपर विश्वास नहीं तो लो, मैं गारंटी देता हूं। ये ऐसे वैसे की गारंटी नहीं, नेशनल नेता की गारंटी है,' और मैंने उन्हें अपनी एक आंख के आंसू उधार दे दिए। किसीके आंसुओं से किसीका काम बन जाए तो मुझ जैसे घड़ियालों को और क्या चाहिए!

लेकिन जैसे ही दूसरे दल के नेता को इस बात का पता चला कि मैंने उनको अपने आंसू उधार दिए हैं तो वे भी मेरे घर आ धमके। आते ही बोले,' हद है घड़ियाल भाई! मैंने आपका क्या बिगाड़ा था जो...'

'मतलब! मैं कुछ समझा नहीं भाई साहब!' सच कहूं तो मैं कुछ समझा भी नहीं था। ' मेरे होते हुए भी तुमने मेरे विरोधी को अपने आंसू उधार दे दिए जनता को बहलाने के लिए? कल टीवी पर उनके आंसुओं को देख मैं एकदम समझ गया था कि बंदे के ये आंसू अपने नहीं। कहीं से पक्का मार कर लाया है। जब उनकी पार्टी में अपने खुफियाओं से संपर्क साधा तो उन्होंने बताया कि वे तुमसे आंसू उधार ले गए हैं। अब मैं तुम्हारी एक नहीं सुनने वाला। तुम कहीं से भी मैनेज करो, बस, मुझे तुम्हारे आंसू चाहिए चुनाव तक। ये देखो, जनता के आगे शब्द शब्द रोते मेरी आंखों के आंसू भी सूख गए हैं। चुनाव संपन्न होते ही मैं तुम्हारे आंसू तुम्हें सादर एक सौ प्रतिशत पर डे सूद समेत लौटा दूंगा। वैसे भी उसके बाद नेता की आंखों में आंसुओं का क्या काम!

मित्र! ये बात दूसरी है कि मैंने आजतक किसीसे लिया लौटाया नहीं। जनता को मैं चुनाव के दिनों कोई भी गारंटी देने के बाद भी जीतने पर मैं उसे कभी पूरा नहीं करता , पर अगर तुम्हारे आंसुओं से जनता का दिल जीत गया तो तुम्हें गारंटी देता हूं कि मैं तुम्हें किसी न किसी बोर्ड का चेयरमैन पक्का बनाऊंगा,' और मैंने जनहित में अपनी दूसरी आंख के आंसू उन्हें दे दिए। इसे केवल मेरा चुनावी दिनों में नेताओं को दिया आंसूदान समझिए। इसलिए मेरीं ही क्या, मेरी तमाम बिरादरी की आंखें इनदिनों बिन आंसुओं के हैं। बंधु! हमारे आंसुओं से किसीका भला हो जाए तो हम घड़ियाली आंसुओं को बदनाम घड़ियालों को और चाहिए भी क्या! ' घड़ियाल ने अपनी आंखों के सूखे आंसुओं का किस्सा सुनाया तो मेरी आंखों में सच्ची के आंसू आ गए। तब उसने मेरी आंखों में आए आंसुओं में से दो बूंद आंसू लेकर मेरा धन्यवाद करते अपनी आंखों में डाल लिए।

बुद्ध पूर्णिमा

डॉ. तेज प्रकाश पूर्णानन्द व्यास

बुद्ध ने कहा था- तृष्णा ही दुख का कारण है

हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष वैशाख माह की पूर्णिमा तिथि को बुद्ध पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। वैशाख शुक्ल पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा या पीपल पूर्णिमा कहा जाता है। इस बार यह पूर्णिमा 23 मई 2024 को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार वैशाख पूर्णिमा भगवान बुद्ध के जीवन की तीन अहम बातें-बुद्ध का जन्म, बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति और बुद्ध का निर्वाण के कारण भी विशेष तिथि मानी जाती है। इस दिन भगवान गौतम बुद्ध का जन्म भी हुआ था और संयोग से इसी दिन भगवान बुद्ध को ज्ञान की भी प्राप्ति हुई थी।

बुद्ध पूर्णिमा के दौरान भक्त अपने घरों की सफाई करके दिन की शुरुआत करते हैं। कुछ लोग इस दिन नहाने के पानी में गंगा मिलाकर स्नान करते हैं। इस दिन पूरे घर में गंगाजल छिड़का जाता है। मोमबत्ती या दीपक जलाए जाते हैं और घरों को फूलों से सजाते हैं। हल्दी, रोली या कुमकुम से प्रवेश द्वार पर स्वस्तिक बनाएं। इस दिन बोधि वृक्ष के पास दूध डाला जाता है। जरूरतमंद लोगों को भोजन और कपड़े भी दान करें। इस दिन तामसिक चीजों से दूर रहें।

पुराणों में महात्मा बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार माना गया है। इस दिन बौद्ध मतावलंबी बौद्ध विहारों और मठों में इकट्ठा होकर एक साथ उपासना करते हैं। दीप प्रज्जवलित कर बुद्ध की शिक्षाओं का अनुसरण करने का संकल्प लेते हैं। गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग हैं, जिनमें सुखी जीवन और सफलता पाने के सूत्र छिपे हैं।

अष्टांगिक मार्ग

महात्मा बुद्ध ने बताया कि तृष्णा ही सभी दुखों का मूल कारण है। तृष्णा के कारण संसार की विभिन्न वस्तुओं की ओर मनुष्य प्रवृत्त होता है और जब वह उन्हें प्राप्त नहीं कर सकता अथवा जब वे प्राप्त होकर भी नष्ट हो जाती हैं तब उसे दुख होता है। तृष्णा के साथ मृत्यु प्राप्त करने वाला प्राणी उसकी प्रेरणा से फिर भी जन्म ग्रहण करता है और संसार के दुख चक्र में पिसता रहता है। अतः तृष्णा को त्याग देने का मार्ग ही मुक्ति का मार्ग है।

भगवान बुद्ध का अष्टांगिक मार्ग वह माध्यम है जो दुख के निदान का मार्ग बताता है। उनका यह अष्टांगिक मार्ग ज्ञान, संकल्प, वचन, कर्म, आजीव, व्यायाम, स्मृति और समाधि के सन्दर्भ में सम्यकता से साक्षात्कार कराता है। गौतम बुद्ध ने मनुष्य के बहुत से दुखों का कारण उसके स्वयं का अज्ञान और मिथ्या दृष्टि बताया है। महात्मा बुद्ध ने पहली बार सारनाथ में प्रवचन दिया था उनका प्रथम

उपदेश 'धर्मचक्र प्रवर्तन' के नाम से जाना जाता है जो उन्होंने आषाढ़ पूर्णिमा के दिन पांच भिक्षुओं को दिया था। भेदभाव रहित होकर हर वर्ग के लोगों ने महात्मा बुद्ध की शरण ली व उनके उपदेशों का अनुसरण किया। कुछ ही दिनों में पूरे भारत में 'बुद्धं शरणं गच्छामि, धम्मं शरणं गच्छामि, संघ शरणम् गच्छामि'का जयघोष गूंजने लगा। उन्होंने कहा कि केवल मांस खाने वाला ही अपवित्र नहीं होता बल्कि क्रोध, व्यभिचार, छल, कपट, ईर्ष्या और दूसरों की निंदा भी इंसान को अपवित्र बनाती है। मन की शुद्धता के लिए पवित्र जीवन बिताना जरूरी है।

हर व्यक्ति अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहता है, जिसके लिए वह कई प्रयास भी करता है। परंतु सही मार्गदर्शन न मिलने के कारण असफलताओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में हम सभी को भगवान गौतम बुद्ध के विचारों का पालन करना चाहिए। यह विचार उनके अनुभवों और ज्ञान पर आधारित है। ये अनमोल विचार जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। माना जाता है कि भगवान बुद्ध ने हमेशा लोगों को अहिंसा और करुणा का भाव सिखाया है।

गौतम बुद्ध के जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग हैं, जिनमें सुखी जीवन और सफलता पाने के सूत्र छिपे हैं।

गौतम बुद्ध के विचार

- जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से अच्छा है कि तुम स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो। फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, इसे तुमसे कोई नहीं छीन सकता।
- किसी भी हालात में तीन चीजें कभी भी छुपी नहीं रह सकती, वो है- सूर्य, चन्द्रमा और सत्य।
- जीवन में किसी उद्देश्य या लक्ष्य तक पहुंचने से ज्यादा महत्वपूर्ण उस यात्रा को अच्छे से संपन्न करना होता है।
- बुराई से बुराई कभी खत्म नहीं होती। घृणा को तो केवल प्रेम द्वारा ही समाप्त किया जा सकता है, यह एक अटूट सत्य है।
- सत्य के मार्ग पर चलते हुए व्यक्ति केवल दो ही गलतियां कर सकता है, पहली या तो पूरा रास्ता न तय करना, दूसरी या फिर शुरुआत ही न करना।
- भविष्य के सपनों में मत खोओ और भूतकाल में मत उलझो सिर्फ वर्तमान पर ध्यान दो। जीवन में खुश रहने का यही एक सही रास्ता है।
- जिस तरह एक जलते हुए दीये से हजारों दीपक रोशन किए जा सकते है, फिर भी उस दीये की रोशनी कम नहीं होती, उसी तरह खुशियां बांटने से हमेशा बढ़ती है, कभी कम नहीं होती।

पर्यावरण

विवेक कुमार मिश्र

-लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

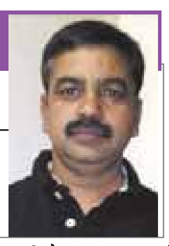

इससे पहले ऐसी गर्मी नहीं, सब कुछ जल रहा है

आज गर्म हवाएं इस तरह चल रही हैं कि दिन ढलने को हो रहा हैं कहें कि शाम ही हो गई है पर ऐसा लगता है कि दोपहर ही हो। पूरी पूरी रात गर्म हवाएं चलती हैं। आदमी तो जैसे-तैसे कुछ जतन कर लेता है। छाया देख दुबक जाता है। कहीं निकलता नहीं और यदि निकलना भी हो तो अपने को जतन करते हुए निकल पड़ता है। इस समय अंगारे बरस रहे हैं। धरती जैसे भट्ठी बन गई हो और सब इसमें बस तप रहे हों किसी को कुछ भी सूझ नहीं रहा है। आखिर क्या किया जाए। यह दुनिया है और इस दुनिया में अपनी अपनी दुनियादारी के साथ गति भी करनी पड़ती है । गर्मी का हो हल्ला और सच में तपती धरती का अहसास ऐसा हो रहा है कि लगता ही नहीं कि इससे पहले भी कभी गर्मी ऐसी पड़ी थी। अब तो जो मिलता है वह एक ही बात करता है कि गर्मी। इस गर्मी का क्या करें? कुछ नहीं सूझता तो पानी पीता रहता है पानी भी कितना पीये और क्या सारा पानी हमीं पी जाएं या औरों के लिए भी छोड़ना है। औरों के लिए भी तो कुछ न कुछ व्यवस्था करनी होगी। गर्मी और पानी की चर्चा ही इस समय मुख्य है। इस गर्मी का अहसास तीखा होता ही जा रहा है। पिछले कुछ सालों से यह अहसास सघन होता जा रहा है कि कोई भी मौसम क्यों न हो सब अपने उग्रतम रूप में आ रहे हैं। कभी बर्फबारी हो रही है तो कभी इतनी बारिश की आप कुछ और कर ही नहीं सकते और इन दिनों में अब आग बरस रहा है। सूरज तमतमा रहा है। हर कोई बेहाल है। दो कदम चलते ही पानी पानी की मांग शुरू हो जाती है। गला एक तरफ तर करते हैं कि अगले ही क्षण सूखने लगता है । यह जो मौसम की मार है वह कहीं न कहीं प्रकृति के प्रति हमारी नासमझी, लापरवाही और लालच का ही परिणाम है। हम सब अंधाधुंध विकास की राह में चलते हुए कंक्रीट का जंगल तो खड़ा करते जा रहे हैं हमारी चिंताओं में पेड़ नदी पहाड़ और चिड़िया जीव जंतु सब हैं पर यथार्थ में हम सब इनसे बहुत दूर हैं और जब हाहाकारी स्थितियां पैदा हो जाती हैं तो हम बस चीखते-चिल्लाते रहते हैं।

आज जरूरत इस बात की है कि हर आदमी कम से कम अपने हिस्से भर तो प्रकृति की रक्षा करने के लिए कुछ न कुछ जतन करें। अपने घर में, घर के बाहर एक हरी भरी दुनिया रचे। कुछ गमले कुछ पौधे और आसपास जहां खाली जगह हो वहां वास्तव में पेड़ पौधे के लिए कुछ जतन करें कुछ उद्योग करें। यह सब मानवीय संवेदना और सरोकार के अन्तर्गत आते हैं कि आप अपने आसपास के लिए अपनी दुनिया के लिए क्या कुछ कर रहे हैं और वास्तव में ऐसा बहुत कुछ करना है जिससे पूरी मानव जाति को बचाने का जतन भी हो। यदि सब मिलकर ठान लें कि हमें इस पृथ्वी को रहने लायक, सुंदर, शीतल और शांत बनाना है तो इसके लिए प्रकृति का जतन भी करना ही होगा। प्रकृति को छोड़कर या उसकी उपेक्षा कर हम न केवल अपना नुकसान कर रहे हैं वल्कि इस पूरी पृथ्वी को ही हम खतरे में डालने की स्थिति में आ जा रहे हैं। आज जो चारों तरफ हाहाकार मचा है वह कुछ और नहीं हमारी गलतियों का ही परिणाम है। लगातार पहाड़, जंगल, नदियां कम और सूख रही हैं जिसका परिणाम भीषण तबाही के रूप में दिखाई दे रहा है । प्रकृति की सत्ता का हमें सम्मान करना होगा, प्रकृति की शक्ति को समझना होगा उसके सामने हमारी सत्ता एक क्षण भी नहीं टिक पाती ऐसे में अब वह समय आ गया है जब सब कुछ छोड़कर प्रकृति को जतन करने के लिए हर आदमी को अपने अपने स्तर पर आना ही होगा। यदि समय रहते हम सब नहीं जागते हैं तो यह पृथ्वी भट्ठी की तरह जो तप रही है एक दिन सभी को अपनी जद में ले लेगी।

यह मनुष्य की समझ और शक्ति है कि वह हर स्थिति में अपने को बचाना और संभालना जानता है। वह अपने मस्तिष्क का प्रयोग इस दुनिया को रहने लायक बनाने में ही नित्य करता रहता है। ऐसे में यह उम्मीद किया जाना स्वाभाविक है कि वह न केवल अपने लिए वल्कि पूरी सृष्टि के रक्षण के लिए अपना श्रेष्ठतम योगदान करते हुए इस पृथ्वी को जतन करने का काम करेगा।

आज चारों तरफ़ से इतनी तेज गर्म हवाएं आ रही हैं कि मत पूछिए। वह हांफते हुए बस चल रहा है। जीव जंतु सब बेहाल हैं । ऐसे में हम सबका यह दायित्व बनता है कि पशु पक्षी सभी के संरक्षण के लिए कुछ न कुछ करते चलें।

गर्म हवाओं का अहसास इतना तीखा हो रहा है कि गले में पानी रखते ही ऐसा लगता है कि गर्म तवे पर पानी की कुछ बूंदें छन्न से गिरी हैं। कितना भी पानी पी लो राहत नहीं मिलती। चलिए अपने पास बोतल है मठके हैं कैम्फर का पानी है पर जो मूक प्राणी है, जो पक्षी है जो चिड़िया है वह सब इस गर्मी में हैरान परेशान इधर से उधर पानी की खोज में भटक रही हैं। ऐसे में हम सबकी यह कोशिश होनी चाहिए कि चिड़िया के लिए दाना पानी की व्यवस्था अपने अपने स्तर पर अपने घर पर, छत पर अपने लॉन में जहां थोड़ी बहुत हरियाली है कुछ पेड़ हैं उन पर परिंडे जरूर से बांधे और बांधे ही नहीं उसमें नियमित रूप से पानी भरते चलें पास में दाना भी रखें...इसी क्रम में यह कविता है -

शाम हो रही है
पर दोपहर का अहसास बना है
आसमान से आग ही बरस रही है
सब अधमारे से पड़े हैं
अपनी अपनी जगह पर
कहीं कोई गति नहीं
कोई हलचल नहीं
बस सन्नाटा पसरा है
सब कह रहे हैं क्या करें
गर्मी बहुत पड़ रही है
मार ही डालेगी ये गर्मी
इस अगियाये समय में कहां जाएं
कोई जगह नहीं कोई हरियल छाया नहीं
कहां जाएं? कहां मिलेगी?
राहत और दाना पानी
कहते कहते घूम रही है
युगों-युगों से मनुष्यों की हमजोली
छोटी चिड़िया गौरय्या
और भी अनगिनत
छोटी-छोटी चिड़ियाएं हैं
टहनियों पर फुदकती रहती हैं
फूलों से और पत्तियों से
रस व स्वाद ग्रहण करती
ये सब बार-बार बस यहीं कह रही हैं कि
भैया बांध दो परिंडे, भर दो पानी
और एक बड़े कसोरे में रख दो दाना
हम सब चलते चलते
अपने हिसाब से ले लेंगे
इतना तो कर ही दो भैया
हम यदि प्यासे रहे
तो कैसे पी पाओगे गिलास भर जल
तुमसे पीया नहीं जायेगा जल ....
गौरय्या हांफते-हांफते कह रही थी ।

यह केवल शब्दों का क्रम उस क्रम में बनी कविता नहीं है वरन् यह हम सबकी सच्चाई का अहम हिस्सा बने तो इस तरह की कविता जीवन के केंद्र से निकलती हैं.... कविता हमारे जीवन में, हमारी सोच में और हमारे कर्म उद्योग में परिवर्तन लाये तो बात बनती है। यह समय विचार और चिंतन के साथ साथ उस क्रम भूमि का भी है जिसमें हम सब अपनी दुनिया के लिए कुछ करने हेतु आगे बढ़े। लोगों की सोच और कर्म में प्रकृति के प्रति एक सहज लगाव हो, इसे जतन करने के लिए चलें। कुछ न कुछ ऐसा करते चलें जिसमें हमारा संवेदन हमारा कर्म बने, कुछ रचे कुछ गढ़े और कुछ अपने आसपास के लिए करते चलें तभी यह पृथ्वी सभी के लिए एक संभव दुनिया बन सकेगी।

बुद्ध जयंती

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

बुद्ध की शिक्षा से मुक्ति संभव है

जितने भी संत हुए हैं उन सभी की एक ही विचारधारा कार्य करती है कि मानव जाति का कल्याण हो। बुद्ध उनमें से एक हैं। बुद्ध ने जितनी सरलता, सहजता से ज्ञान को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी उतनी उनके पूर्ववर्तियों ने शायद ही की थी। बुद्ध जीवन से ज्ञान को निकालकर वहीं उसको स्वयं उतारने के लिए प्रेरणा देते आए हैं। बुद्ध को समझने के लिए आधारभूत पढ़ाई की भी आवश्यकता नहीं रहती है और उनका ज्ञान इतना समसामयिक है कि सदियों से यह प्रासंगिक रहा है। राजा शुद्धोदन के पुत्र होने के बावजूद आध्यात्मिकता की ओर आकर्षण ने गौतम से बुद्ध बनने के लिए प्रेरित किया औश्र फिर वे दुनिया के लिए प्रेरणा का केन्द्र बन गए।

उनकी खोज की परिणति बोधि वृक्ष के नीचे ध्यान करते समय हुई, जहाँ उन्हें अंततः ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्हें एहसास हुआ कि दुखों से कैसे मुक्त हुआ जाए और इस तरह मोक्ष प्राप्त किया जाए।

बुद्ध की शिक्षाएं

बुद्ध के सिद्धांत या शिक्षाएं पूरी तरह से मनुष्यों को पीड़ा से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से हैं और इन्हें सामूहिक रूप से धर्म या धम्म कहा जाता है। यह बुद्ध द्वारा सिखाए गए सत्य को प्रकट करता है और लोगों को महान अष्टांगिक मार्ग का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जो उन्हें ज्ञान प्राप्त करने की ओर ले जाएगा। बुद्ध ने सद्गुणों को महत्व दिया- ज्ञान, दया, धैर्य, उदारता और करुणा। बौद्ध धर्म का मूल बुद्ध की शिक्षाओं से बना है जो हैं-

- तीन सार्वभौमिक सत्य
- चार आर्य सत्य; और
- अष्टांगिक श्रेष्ठ पथ

तीन सार्वभौमिक सत्य

जैसा कि बुद्ध ने उपदेश दिया, तीन सार्वभौमिक सत्य हैं-

- **ब्रह्मांड में कुछ भी खोया नहीं है-** ब्रह्मांड में सभी चीजें एक चक्र में मौजूद हैं। पदार्थ ऊर्जा में बदल जाता है, जो पुनः पदार्थ में परिवर्तित हो जाता है। एक पौधा मिट्टी से उगता है. एक मृत पत्ता मिट्टी में विघटित हो जाता है। मनुष्य से ही मनुष्य का जन्म होता है, जिससे पुनः मनुष्य की उत्पत्ति होती है। इस प्रकार, कुछ भी नहीं खोया है, और जो कुछ भी लिया गया है उसे ब्रह्मांड वापस कर देता है।
- **सब कुछ बदलता है-** इस दुनिया में कुछ भी स्थायी नहीं है। जीवन सदैव परिवर्तनशील है, नदी की तरह निरंतर बहता रहता है। जीवन कभी ख़त्म नहीं होता; यह विकसित होता है, ठीक वैसे ही जैसे मनुष्य अपने पूर्ववर्तियों से विकसित हुआ है। हमारा आदर्श स्वरूप बदलता रहता है।
- **कारण और प्रभाव का नियम-** बुद्ध कारण और प्रभाव के नियम पर आधारित कर्म में विश्वास करते थे। उसने सोचा कि मनुष्य जो कुछ भी बोता है, वही काटता है। मनुष्य की इस जीवन और अगले जीवन में स्थिति उसके कर्मों पर निर्भर करती है और उसे अपने कर्मों का परिणाम भुगतना पड़ता है। न तो बलिदान और न ही ईश्वर से की गई कोई प्रार्थना किसी व्यक्ति का भाग्य बदल सकती है। अच्छे कर्म अच्छे परिणाम देते हैं; बुरे कर्मों का परिणाम बुरा होता है।

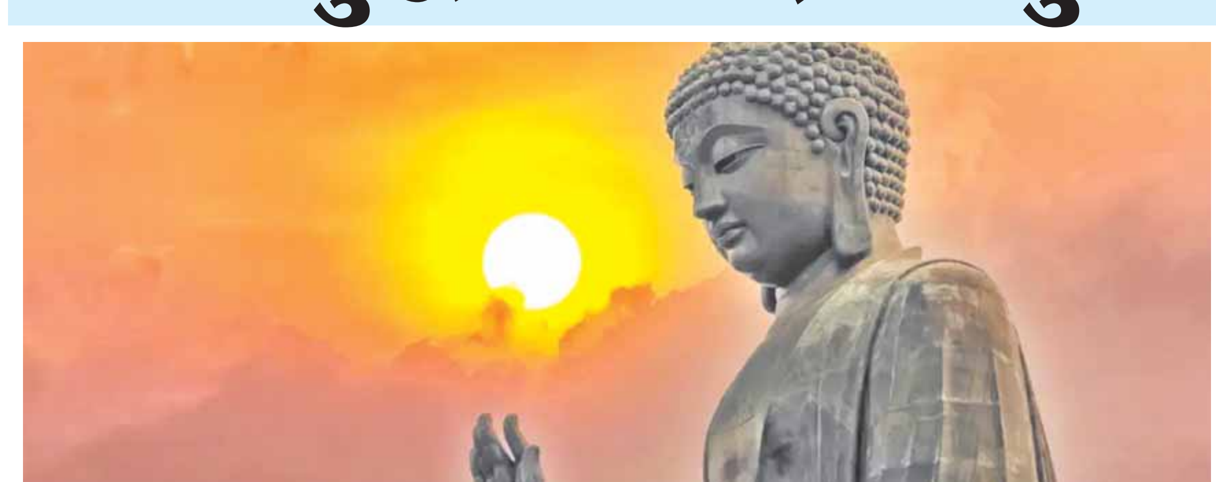

चार आर्य सत्य

बुद्ध ने चार आर्य सत्यों का उपदेश दिया

- **दुख का सच (दुक्खा)-** जीवन में सभी मनुष्य किसी न किसी तरह से पीड़ित हैं। जन्म के समय, हम कष्ट सहते हैं, वैसे ही हम बुढ़ापे, बीमारी और मृत्यु में भी कष्ट सहते हैं। किसी प्रियजन से अलग होना कष्ट है; असफलता और संघर्ष संघर्ष की ओर ले जाते हैं। इस जीवन में कष्ट अपरिहार्य है।
- **दुःख के कारण का सत्य (समुदाय)-** बुद्ध दुःख के कारण को इच्छाओं और आसक्ति से जोड़ते हैं। सांसारिक जुनून का भ्रम और कामुक सुखों की लालसा दुख की ओर ले जाती है।
- **दुख के अंत का सत्य (निरोध)-** दुख को रोकना और आत्मज्ञान प्राप्त करना संभव है। दुख को समाप्त करने के लिए, मन को पूर्ण मुक्ति और अनासक्ति प्राप्त करने के लिए सभी सांसारिक भ्रमों के मूल में निहित इच्छा को दूर करना होगा।
- **उस मार्ग का सत्य जो हमें पीड़ा (मग्गा) से मुक्त करता है-** बुद्ध ने आत्मज्ञान प्राप्त करने के चरणों के रूप में महान अष्टांगिक मार्ग बताया।

अष्टांगिक श्रेष्ठ पथ

बुद्ध ने ज्ञान, नैतिक चरित्र और एकाग्रता के विकास पर जोर दिया। अपने ज्ञानोदय के बाद, बुद्ध ने अपने पहले उपदेश में व्यक्ति को कष्टों से मुक्त करने के लिए अष्टांगिक महान मार्ग की स्थापना की। वे हैं-

- **सही समझ/सम्मा दिट्ठी-** यह चार आर्य सत्यों की सच्ची धारणा को संदर्भित करता है।
- **सही विचार/सम्मा संकप्पा-** व्यक्ति को सही और गलत इरादे के बीच अंतर करने में सक्षम होना चाहिए। सोच में स्पष्टता अच्छे चरित्र के निर्माण में मदद करती है।
- **सम्यक वाणी/सम्मा वाचा-** व्यक्ति को हमेशा दूसरों का सम्मान करते हुए और उन पर भरोसा करते हुए, दयालुता पूर्वक और सचेत रूप से बोलना चाहिए।
- **सही कार्रवाई/सम्मा कम्मंता-** इसमें दूसरों को चोट पहुंचाने से बचना, दूसरों की आलोचना करना और अच्छा व्यवहार करना शामिल है। किसी के कार्यों से किसी भी तरह से दूसरों को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए या परेशानी नहीं होनी चाहिए।
- **सही आजीविका/सम्मा अजीवा-** बुद्ध ने सलाह दी कि दूसरों को नुकसान पहुंचा कर अपनी जीविका न अर्जित करें या दूसरों को दुखी करके खुशी की तलाश न करें। किसी की आजीविका कमाने का तरीका दूसरों के लिए कष्ट का कारण नहीं बनना चाहिए।
- **सम्यक प्रयास/सम्मा वायामा-** इसका तात्पर्य स्वयं के लिए अच्छी आदतों को बढ़ावा देना है। बुरी आदतों को त्याग देना चाहिए तथा अच्छी आदतों को अपनाना एवं आचरण में लाना चाहिए।
- **सम्यक सचेतनता/सम्मा सती-** इसका तात्पर्य स्वयं, शरीर, दृष्टिकोण और भावनाओं पर किसी के ध्यान से है। नफरत, लालसा और अज्ञान को खत्म करने के लिए आत्म-जागरूकता की आवश्यकता है।
- **सही एकाग्रता/सम समाधि-** चेतना के उच्च स्तर को प्राप्त करने के लिए, अपूर्णता और नश्वरता की समझ विकसित करने के लिए सच्ची एकाग्रता की आवश्यकता होती है।

यदि कोई व्यक्ति अष्टांगिक महान पथ का अनुसरण करता है, तो वह निर्वाण प्राप्त कर सकता है, सर्वज्ञ स्पष्ट जागरूकता की स्थिति, इच्छा और दुःख से मुक्त, जन्म और पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति, जिसमें केवल शांति और आनंद है।

पांच उपदेश

बुद्ध ने किसी के व्यवहार की जांच करने के लिए पांच सिफारिशें भी दीं (बुद्ध की 5 शिक्षाएं)। ये सिफारिशें, जिन्हें सामूहिक रूप से पंच शिला कहा जाता है-

- जान लेने या किसी भी तरह की हिंसा से दूर रहें। अहिंसा या अपरिग्रह नैतिकता का मुख्य सिद्धांत होना चाहिए।
- जो नहीं दिया गया है उसे लेने से बचना चाहिए; चुराएं नहीं।
- अपने आप को इंद्रियों के दुरुपयोग से रोकें, कामुक सुखों में लिप्त न हों।
- दूसरों के बारे में झूठ न बोलें या गलत वाणी का प्रयोग न करें।
- किसी भी नशीले पेय और नशीली दवाओं के सेवन से बचें, क्योंकि यह दिमाग पर हावी हो जाता है और व्यक्ति को स्पष्ट रूप से सोचने और वास्तविकता को देखने से रोकता है।

जीवनानुभव से प्राप्त ज्ञान पर विश्वास

बुद्ध हमेशा दैनंदिनी से ही ज्ञान को निकालकर सभी के समक्ष रख देते थे। एक बार महात्मा बुद्ध अपने कुछ शिष्यों के साथ एक गांव में भ्रमण कर रहे थे। उन दिनों कोई वाहन नहीं हुआ करता था, सो लोग पैदल ही मीलों की यात्रा करते थे। ऐसे ही गांव में घूमते हुए काफी देर हो गई थी। बुद्ध जी को काफी प्यास लगी थी। उन्होंने अपने एक शिष्य को गांव से पानी लाने की आज्ञा दी। जब वह शिष्य गांव के अंदर गया तो उसने देखा कि वहां एक नदी थी जहां बहुत सारे लोग कपड़े धो रहे थे, कुछ लोग नहा रहे थे जिससे नदी का पानी काफी गंदा दिख रहा था।

शिष्य को लगा कि गुरु जी के लिए ऐसा गंदा पानी ले जाना ठीक नहीं होगा। यह सोचकर वह वापस आ गया। महात्मा बुद्ध को बहुत प्यास लगी थी। इसलिए उन्होंने फिर से दूसरे शिष्य को पानी लाने भेजा। कुछ देर बाद वह शिष्य लौटा और पानी ले आया। महात्मा बुद्ध ने शिष्य से पूछा की नदी का पानी तो गंदा था फिर तुम साफ पानी कैसे ले आए। शिष्य बोला कि प्रभु वहां नदी का पानी वास्तव में गंदा था लेकिन लोगों के जाने के बाद मैंने कुछ देर इंतजार किया और कुछ देर बाद मिट्टी नीचे बैठ गई और साफ पानी ऊपर आ गया।

बुद्ध यह सुनकर बड़े प्रसन्न हुए और बाकी शिष्यों को भी सीख दी कि हमारा यह जो जीवन है यह पानी की तरह है। जब तक हमारे कर्म अच्छे हैं तब तक सब कुछ शुद्ध है लेकिन जीवन में कई बार दुख और समस्या भी आते हैं जिससे जीवन रूपी पानी गंदा लगने लगता है। कुछ लोग पहले वाले शिष्य की तरह बुराई को देखकर घबरा जाते हैं और मुसीबत देखकर वापस लौट जाते हैं।

वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाते, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग जो धैर्यशील होते हैं वह व्याकुल नहीं होते और कुछ समय बाद गंदगी रूपी समस्याएं और दुख खुद ही खत्म हो जाते हैं। इस कहानी की सीख यही है कि समस्या और बुराई केवल कुछ समय के लिए जीवन रूपी पानी को गंदा कर सकते हैं लेकिन अगर आप धैर्य से काम लेंगे तो बुराई खुद ही कुछ समय बाद आपका साथ छोड़ देगी।

वृद्धजन दिवस पर आयोजित किया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

बैतूल। आज के आधुनिक दौर में जहां चिकित्सा एवं उपचार बहुत महंगा हो गया है एवं आम ग्रामीण जनों की पहुंच से दूर होता जा रहा है, वहीं मानव सेवा ही माधव सेवा को चरितार्थ करते हुए ग्लोबल पब्लिक स्कूल बैतूल के तत्वाधान में वृद्धजन दिवस के अवसर पर डॉ.सौरभ झारिया, डॉ गौरव झारिया एवं डॉ. गोविंद साहू द्वारा ग्राम जैतापुर में निशुल्क मेडिकल कैंप आयोजित कर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की। मेडिकल कैंप में मरीजों की ब्लड, प्रेशर शुगर, नाड़ी परीक्षण सहित अन्य प्रकार की जांच निशुल्क की गई एवं जांच उपरांत समस्त आवश्यक दवाइयां निशुल्क प्रदाय की गई। मेडिकल कैंप में लगभग 150 ग्रामीणों ने उपचार का लाभ लिया, एवं उन्होंने बताया कि यह अपनी तरह का पहला कैंप है जो इस गांव में आयोजित हुआ। मेडिकल कैंप को सफल बनाने में ग्राम कोटवार एवं आशा कार्यकर्ता तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्लोबल पब्लिक स्कूल बैतूल के संचालक भरत झारिया का बहुत सहयोग रहा।

कर्बला घाट माचना नदी पर बने अंग्रेजों के जमाने के बिना रेलिंग के पुल से गिरी बोलेरो, तीन घायल

बैतूल। सदर क्षेत्र में कर्बला घाट पर माचना नदी पर बने बिना रेलिंग वाले पुल से बुधवार शाम करीब 5 एक बोलेरो नदी में गिरकर पलट गई।हादसे में बोलेरो में सवार तीन लोग बुलेरो में ही फंस गए।जिन्हे राहगीरों की मदद से बाहर निकाला गया। सभी को गंभीर चोट आने के कारण जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया गया है।

अंग्रेजों के जमाने का पुल– कर्बला घाट पर बना यह पुल 100 वर्ष से अधिक पुराना है। कुछ वर्ष पूर्व भी एक बाइक सवार बारिश के दिनों में पुल पर रेलिंग न होने से बह गया था। कर्बला पुल पर बार बार हादसे के बाद भी प्रशासन गंभीर नजर नही आया।

बलात्कार करने वाले आरोपी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

बैतूल। 12 वर्षीय बालिका के साथ जंगल में बलात्कार करने वाले आरोपी रिश्तेदार को न्यायालय द्वारा 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं 11 हजार रू के अर्थदंड से दण्डित किया गया।

द्वितीय अपर सत्र न्यायालय मुलताई जिला बैतूल मे पॉक्सो के प्रकरण में 12 वर्षीय नाबालिग बालिका के साथ जंगल के रास्ते में बलात्कार करने वाले उसके आरोपी रिश्तेदार नि. धारणी थाना सांईखेड़ा को दोषी पाते हुए धारा 376(2), 376(3) भादवि एवं पॉक्सो एक्ट की धारा ङ(2), 5/6, मे 20 वर्ष कठोर कारावास एवं 10,000 रू का अर्थदंड एवं भादवि की धारा 506 भाग 02 में 06 माह का सश्रम करावास एवं 1000 रू के अर्थदंड से दंडित किया गया । प्रकरण में म.प्र. शासन की ओर से लोक अभियोजन अधिकारी/ विशेष लोक अभियोजक श्रीमति मालिनी देशराज द्वारा पैरवी की गयी। दिनांक 06.05.2022 को पीड़िता के द्वारा थाना सांईखेड़ा में आरोपी रिश्तेदार के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई कि वह अपने माता पिता के साथ दिनांक 19.04.24 को उसके पिता की मौसी की लडक़ी की शादी मे एक अन्य गावं गई थी । जो शादी मे जाते समय वह अपने दादा के साथ गाड़ी में गयी थी और माता पिता घर की मोटरसाईकल से आरोपी रिश्तेदार के साथ गये थे। शादी से घर लौटते समय पीड़िता के माता पिता ने नाबालिक पीड़िता को आरोपी रिश्तेदार के साथ मोटरसाईकल पर भेज दिया और स्वयं पैदल आने का बोला। आरोपी रिश्तेदार ने पीड़िता को रास्ते में डरा धमका कर उसके साथ जबरदस्ती बलात्कार किया, आरोपी के धमकाने से पीड़िता डर गई बाद मे घर मे पीडिता के गुमसुम व डरे हुए रहने से माता पिता के द्वारा बार बार पूछने पर संपूर्ण घटना माता पिता को बताई। थाना सांईखेड़ा मे आरोपी के विरूद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया तथा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। विवेचना पूर्ण होने के उपरांत थाना प्रभारी सांईखेड़ा निरी मुकेश ठाकुर द्वारा न्यायालय के समक्ष चालान प्रस्तुत किया गया, न्यायालय द्वारा विचारण उपरांत आरोपी को दोषी पाते हुए कठोर कारावास एवं अर्थदंड से दंण्डित किया गया।

बैतूल फिर शर्मसार चार वर्ष की बालिका के साथ दुष्कर्म का प्रयास, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को किया गिरफ्तार

बैतूल। घर के सामने बच्चो के साथ खेल रही मासूम को चॉकलेट का लालच देकर घर के ऊपरी कमरे में ले गया युवक ने दुष्कर्म करने का प्रयास किया है। ताजा मामला जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र की सबसे पुरानी ग्राम पंचायत का है, जहां एक चार साल की बच्ची के साथ 25 वर्षीय युवक ने दुष्कर्म करने का प्रयास किया। परिजनों की शिकायत पर युवक को पुलिस ने तत्परता से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी युवक एवं पीड़ित बालिका का मेडिकल जिला अस्पताल में कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 वर्ष की बालिका अपने घर के सामने कुछ बच्चों के साथ खेल रही थी, इसी बीच पास के घर में रहने वाले 25 वर्षीय युवक वैभव कुंभारे ने बालिका को चॉकलेट का लालच दिया और अपने घर के ऊपर वाले कमरे में ले गया और उसके साथ युवक ने दुष्कर्म करने का प्रयास किया, तभी बालिका के चिल्लाने पर उसके रिश्तेदार आए और उन्होंने बालिका को युवक के चंगुल से छुड़ाया ।

रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्र पूरी तरह प्रतिबंधित : कलेक्टर

कलेक्टर व एसपी ने की डीजे एवं बैंड संचालकों से चर्चा

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि रात्रि 10 से सुबह 6 बजे तक बैण्ड सहित सभी ध्वनि विस्तारक यंत्र पूरी तरह प्रतिबंधित किए जाते है। उन्होंने कहा कि आचार संहिता के दृष्टिगत सुबह 6 से रात्रि 10 बजे तक बिना अनुमति के ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग नहीं किया जाएगा। नियमों का पालन न करने पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी एवं पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया जिले के बैंड एवं डीजे संचालकों के साथ मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में ध्वनि प्रदूषण पर चर्चा कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक श्री झारिया ने संचालकों से कहा कि नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। निर्धारित डेसिबल से अधिक आवाज ध्वनि प्रदूषण की परिधि में आएगा। इस अवसर पर एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव, एसडीएम राजीव कहार, तहसीलदार जीडी पाठे, उप पुलिस अधीक्षक एवं कोतवाली इंचार्ज देवकरण डेहरिया, यातायात प्रभारी गजेन्द्र केन सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि सभी बैण्ड-वाहन

पर लगे साउंड सिस्टम की डेसिबल कैपेसिटी सहित बैण्ड का पता एवं मालिक के नाम का उल्लेखित प्रमाण पत्र चस्पा किया जाएगा। जिससे बैंड संचालक, अधिक आवाज में बैण्ड बजवाने वालों को वह प्रमाण पत्र दिखा सकेंगे कि जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित साउंड डेसिबल कैपिसिटी से अधिक आवाज में बैण्ड बजाना दण्डनीय अपराध की श्रेणी में होगा। यह प्रमाण पत्र क्षेत्र के एसडीएम द्वारा जारी किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया ने बताया कि ध्वनि विस्तारक यंत्र को औद्योगिक क्षेत्र में दिन में 75 डेसिबल और रात में 70 डेसिबल, बाजार क्षेत्र में 65 डेसिबल दिन में और 55 डेसिबल रात में। इसी प्रकार रेसीडेंसियल क्षेत्र में 55 डेसिबल दिन में और 45 डेसिबल रात में और साइलेंस क्षेत्र में 45 डेसिबल दिन में और 40 डेसिबल से अधिक रात में नहीं बजाया जा सकता। उन्होंने कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों की संख्या सीमित रखें। उन्होंने कोतवाली टीआई देवकरण डेहरिया से क्षेत्रवार बैंड संचालकों की सूची बनाए और वीडियो, फोटो एवं वीडियोग्राफी भी कराए। इसके साथ ही उनकी गाड़ी पर कितने स्पीकर लगे है इसकी सूची भी रखे।

कलेक्टर व एसपी की दरियादिली– सोमवार की रात 10.30 बजे एक डीजे संचालक द्वारा निर्धारित समय के बाद तेज आवाज में जेएच कॉलेज रोड पर डीजे बजाते हुए पुलिस ने धारा 188 के तहत प्रकरण दर्ज किया था। मंगलवार को इस बैठक में अन्य डीजे संचालकों ने कलेक्टर एवं एसपी से पहली गलती मानते हुए संबंधित डीजे संचालक माफ करने का अनुरोध किया था। उन्होंने दरियादिली दिखाते हुए उसे माफ कर दिया।

कलेक्ट्रेट परिसर में लगी आग, अफरा-तफरी के बीच एसडीईआरएफ ने पाया काबू

होमगार्ड द्वारा मॉक ड्रिल में फायर एस्टुग्रेशर के उपयोग से कराया अवगत

बैतूल। कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को दोपहर बाद लगी आग पर एसडीईआरएफ के जवानों ने काबू पा लिया। अचानक लगी आग से धुंध और धुएं के बीच अधिकारी एवं कर्मचारी कुछ समझ नहीं पाए। कुछ ही देर में समझ आया कि यह दुर्घटना नहीं बल्कि मॉक ड्रिल का भाग था जो होमगार्ड के साथ एसडीईआरएफ के जवानों ने आग से होने वाली दुर्घटनाओं में किस प्रकार रोकथाम करनी चाहिए, से लोगों को अवगत कराने के लिए आयोजित की गई थी। इस अवसर पर एडीएम राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर अनिल सोनी, डिप्टी कलेक्टर अजीत मरावी, अधीक्षक सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित थे।

फायर स्टुग्रेशर का कैसे करें उपयोग– होमगार्ड की प्लाटून कमांडर सुनीता पन्द्रे द्वारा बताया गया कि फायर एस्टुग्रेशर का उपयोग इन परिस्थितियों में किस प्रकार किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि आग कितने प्रकार की होती है एवं हमें इस दौरान क्या-क्या सावधानियां रखनी चाहिए। इसके साथ अग्निशमन उपकरणों को चलाने का अभ्यास कराया गया।

आग भी 5 प्रकार की होती है, कैसे करें बचाव– श्रीमती सुनीता ने बताया कि आग को 5 भागों में विभक्त किया जाता है। इन 5 प्रकार को जानना इसलिए जरूरी होता है, जिसमें आग का कारण जानना, आग को बुझाना आसान हो जाता है।

प्रथम – इसमें आग साधारण रूप में जैसे कागज, लकड़ी, कोयला, कपड़ा आदि में लगी आग को पानी और रेत डालकर बुझाना चाहिए।

द्वितीय – इसके अंतर्गत ज्वलनशील तरल पदार्थ में लगी। इस प्रकार की आग डीजल, पेट्रोल केरोसिन में लगी आग को फोम झाग वाले एस्टुग्रेशन से बुझाना चाहिए।

तृतीय– ज्वलनशील गैस एलपीजी, सीएनजी, मिथेन आदि गैस में लगी आग को बुझाने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड वाले फायर एस्टुग्रेशर का उपयोग करना चाहिए।

चतुर्थ– सोडियम, सिल्वर गोल्ड आदि धातुओं में लगी आग को ड्राय केमिकल पाउडर से बुझाया जाता है।

पंचम– विद्युत की शार्ट सर्किट से लगी आग को कार्बन डाइऑक्साइड यंत्रों से बुझाना चाहिए।

उपस्थित अधिकारियों को कार्यालय में रखे फायर एस्टुग्रेशर का उपयोग कैसे और किस प्रकार किया जाता है से अवगत कराया गया।

गो–भैंसीय पशुधन में मुंह–खुरी एवं पीपीआर रोग पर नियंत्रण हेतु जिले में 6.50 लाख पशुओं के टीकाकरण का लक्ष्य : डॉ. पाटिल

बैतूल। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप बैतूल जिले में 15 मई 2024 से 15 जुलाई 2024 तक गौ-भैंस वंशीय पशुओं में मुंह-खुर रोग के रोकथाम हेतु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के चतुर्थ चरण में 6 लाख 50 हजार पशुओं को प्रतिबंधात्मक टीकाकरण किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में जिले में मुंह-खुरी रोग एवं पी.पी.आर रोग नियंत्रण कार्यक्रम का चतुर्थ चरण चलन में है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपसंचालक डॉ.विजय पाटिल ने बताया कि जिले के समस्त ग्रामें हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर पशुपालकों के घर-घर जाकर

निःशुल्क टीकाकरण किया जा रहा है। साथ ही ऐसे पशु जिनमें कान में टैग नहीं लगा हुआ है उनके कान में टैग भी लगाकर भारत सरकार के भारत पशुधन एप पर ऑनलाइन पंजीयन किया जाएगा।

मुंह–खुरी एक संक्रामक रोग ...– उपसंचालक द्वारा बताया गया कि मुह-खुरी विषाणु जनित तथा बेहद संक्रामक रोग हैं। पशुओं में इसके प्रमुख लक्षण पशु को ज्वर होना, जीभ तथा तलवे पर छालों का उतरना है जो बाद में फूट कर घाव में बदल जाते हैं। खुरों के बीच में घाव होने से पशु का लंगड़ा कर चलना या चलना बंद कर देता है। मुंह में घावों की वजह से पशु भोजन लेना तथा जुगाली करना बंद कर देता है एवं कमजोर हो जाता है। दूध उत्पादन में लगभग 80 प्रतिशत की कमी, गाभिन पशुओं के गर्भपात एवं बच्चा मरा हुआ पैदा हो सकता है। छोटे बछड़े बछियाओं में अत्यधिक ज्वर आने के पश्चात बिना किसी लक्षण के मृत्यु होना। इस रोग के कारण पशु स्वास्थ्य एवं दुग्ध उत्पादन पर प्रत्यक्ष नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इससे बचाव के लिए पशुपालकों को अपने पशुओं का टीकाकरण करवाना आवश्यक है। जिले की सभी संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं एवं विकासखंड स्तर की संस्थाओं में टीका द्रव्य उपलब्ध करा दिया गया है।

विगत तीन चरणों में किये गए मुँह-खुरी रोग टीकाकरण कार्यक्रम के कारण जिले में मुंह-खुरी रोग के प्रकोप नहीं हुए है, जिससे इस रोग के कारण पशुपालकों को होने वाली आर्थिक क्षति पर नियंत्रण किया गया है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपसंचालक डॉ. पाटिल ने सभी पशुपालकों से पशुओं का टीकाकरण करवाने तथा उक्त कार्य में आवश्यक सहयोग प्रदाय करने की अपील की है।

अतिक्रमण दस्ते ने दिखाई सख्ती ,फल और सब्जी वालों को भी खदेड़ा

कलेक्टर की प्रॉयरिटी पर कालेज चौक, विधायक से भी नही उम्मीद

बैतूल। बढ़ती बेरोजगारी के चलते खाली पड़ी सरकारी जमीन और सड़क़ किनारे छोटा व्यवसाय करने वाले कलेक्टर के राडार पर है यही वजह है कि इन्हें व्यवस्थित करने की बजाय बार बार खदेड़ा जा रहा है । कलेक्टर बंगले के पिछले गेट कालेज चोक से हाथी नाले तक मेन रोड से सडक़ चौड़ीकरण के नाम पर बीते आठ माह पहले अतिक्रमण हटाकर सड़क़ चौड़ी की गई थी। इस सड़क़ के दोनों तरफ अस्थाई अतिक्रमण रेहड़ी ठेले ओर जमीन पर ग्रामीण सब्जी बेच कर अपना गुजर बसर कर रहे है लेकिन सरकार के नुमाइंदों को सड़क़ किनारे किसी भी किस्म की दुकानो से गुरेज है ।आज

सुबह नपा अतिक्रमण दस्ते ने ऐसे ही फल और सब्जी की दुकानों समेत चाय पान की दुकानों को सख्ती से हटा दिया । अब सवाल यह उठता है कि जब बार बार इन्हें हटाया जाता है तो इन्हें व्यवस्थित करने पर विचार क्यो नही किया जाता। इसके पहले भी मुल्ला पेट्रोल पंप से लल्ली चौक तक का अतिक्रमण हटाया गया तब इन्हें तालाब के पीछे व्यवस्थित करने की मांग पर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने आश्वस्त किया था लेकिन आठ माह बीतने के बाद भी इन फुटपाथ पर अपनी दुकान चलाने वालों का उचित व्यवस्थापन नहीं हुआ है। इसी तरह कॉलेज के नजदीक ज्यादातर बेरोजगार युवा अपना व्यवसाय करते है लेकिन उनके साथ ही सब्जी भाजी बेचने वालों को भी खदेड़ा जा रहा है।

कलेक्टर ने चोपना में लगाई चौपाल

भूमि अधिग्रहण पर मुआवजे में वृद्धि के लिए ट्रिब्यूनल करेगा फैसला

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने भोगईखापा गांव में पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर भरी दोपहर में खटिया पर बैठकर ग्रामीणों की बाते सुनीं। डब्ल्यूसीएल द्वारा सडक़ निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि के विरूद्ध 3 लोगों द्वारा मुआवजा राशि ना लेते हुए उच्च न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया गया था। उच्च न्यायालय द्वारा मुआवजा राशि में वृद्धि के लिए प्रकरण ट्रिब्यूनल के समक्ष रखे जाने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि उक्त निर्णय के अनुपालन में ग्रामवासी ट्रिब्यूनल के निर्णय तक डब्ल्यूसीएल द्वारा देय राशि का भुगतान लेकर सडक़ का काम प्रारंभ करने पर सहमति दे। उन्होंने कहा कि सडक़ का काम प्रारंभ करने के पूर्व डब्ल्यूसीएल द्वारा ट्रिब्यूनल के निर्णय के अनुपालन में भुगतान के लिए अपनी लिखित सहमति प्रदान करेगी। निर्णय के पश्चात डब्ल्यूसीएल शेष राशि का भुगतान तीनों ग्रामीणों को करेगी।

उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूसीएल ने ग्राम भोगईखापा के 12 ग्राम वासियों की जमीन अधिग्रहित की थी। 9 लोगों को मुआवजा दिया जा चुका था। 3 लोग जिनकी जमीन लगभग 900 मीटर है, मुआवजा राशि से सहमत नहीं थे और उच्च न्यायालय चले गए। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि आप लोग ट्रिब्यूनल के माध्यम से मुआवजा राशि का निर्धारण कराएं। तब तक जो मुआवजा डब्ल्यूसीएल द्वारा दिया जा रहा है वह स्वीकार लें। ग्रामीण इस निर्णय पर असहमत थे।

डब्ल्यूसीएल देगा लिखित आश्वासन– कलेक्टर श्री सूर्यवंशी बुधवार को गांव वालों से उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में मध्यस्थता के लिए ग्रामीणों के बीच पहुंचे थे। उन्होंने तीनों ग्रामीणों को आश्वास्त कराया कि ट्रिब्यूनल के निर्णय के अनुसार डब्ल्यूसीएल

कंपनी भुगतान के लिए लिखित सहमति देगी। ग्रामीणों ने उनकी मध्यस्थता को स्वीकार कर अपनी सहमति प्रदान की है।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने भोगईखापा के ग्रामीणों के साथ डब्ल्यूसीएल और ग्रामीणों के मध्य भूमि अधिग्रहण के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय के आदेश पर चर्चा कर दोनों के मध्य सौहार्दपूर्ण सहमति बनवाई।

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर की आफिशियल विजिट में भव्य समारोह में धार रत्नों का हुआ सम्मान...

99 रोटरी क्लब धार सेंट्रल, रोटरी क्लब धार गैलेक्सी, रोटरी क्लब धार डायमंड का आयोजन यादगार बन गया

धार। रोटरी क्लब आफ धार सेंट्रल (RID - 3040) की रोटरी गवर्नर आधिकारिक यात्रा धार में गरिमामय समारोह में संपन्न हुई। इस भव्य और गरिमामय समारोह में धार रत्न एवं शिक्षकों का सम्मान (नेशन बिल्डिंग अवार्ड) संस्था द्वारा किया गया। ऐतिहासिक धरा धार में आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रोटे. रितू ग्रोवर (डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2023-24, RID - 3040) विशेष अतिथि रोटे. अनिस मलिक (DGE 2024-25, RID -3040), रोटे. संजीव गुप्ता (PDG & Distt. Trainer) कार्यक्रम के संयोजक संस्थापक एवं पदेन अध्यक्ष रोटे. अरूण वर्मा, रोटे. उमेश शर्मा, रोटे. सतीश सोनी थे. अतिथियों के साथ मंचासीन रोटरी क्लब धार गैलेक्सी के अध्यक्ष रोटे. शैलेंद्र तिवारी, सचिव रोटे. संतोष निगले, रोटरी क्लब धार डायमंड के अध्यक्ष रोटे. एड. प्रखर सोनी, सचिव भी मंचासीन थे। समारोह में विशिष्ट जनों में धार के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. कमल सिंह चौहान, डॉ. आर. सी.एस. ठाकुर, डॉ. सक्सेना, डॉ. रिचा उपाध्याय, डॉ. बलराम उपाध्याय, डॉ. अनिल वर्मा, डॉ. मयंक महाजन, डॉ. लीना माइकल, रोटरी क्लब धार सेंट्रल के आगामी सत्र के अध्यक्ष डॉ. मनीष सिंह, बाल दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. सिल्वी सिंह, डॉ.

अजेश माइकल,आगामी सचिव रोटेरियन विमल कुमार सिंह, रोटेरियन दिलीप मेघानी, रोटे. ऋषि तिवारी, , रोटे. ध्रुव जोशी , रोटे.पूर्व असिस्टेंट गवर्नर अलका वर्मा जिला भाजपा अध्यक्ष मनोज सोमानी, झाबुआ से रोटे. एड. उमंग सक्सेना, इंदौर से रोटे. अक्षत गुप्ता, रोटे. ममता जोशी (पूर्व नपाध्यक्ष,धार) तथा अन्य संस्थाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य , शिक्षाविद , खेलजगत से खिलाड़ी, कोच , मीडिया के सम्मानित साथी, नामी चिकित्सक, एडवोकेट एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

धार रत्न से सम्मानित प्रतिभाएं...

1- संस्कृति सोमानी, यूपीएससी से चयनित होकर आईएएस. 2- राजेश शर्मा, प्रतियोगी परीक्षा एक्सपर्ट, राईटर, मोटिवेशनल स्पीकर. 3- डॉ त्वरित सिंह ठाकुर, नेत्र सर्जन. 4 - डॉ जयंति सिंह ठाकुर, नेत्र सर्जन. 5- विजया शर्मा, मूक प्राणियों की सेवा 6- धार मानव सेवा कल्याण समिति. 7 - कल्याणी गायकवाड़, सब जूनियर नेशनल तीरंदाजी में सिल्वर मेडल . 8- आदर्श बोरासी , ताइक्वांडो में नेशनल स्कूल गेम्स में अंडर -19 में गोल्ड मेडल. 9 - अर्पित भूरिया , स्कूल गेम्स तीरंदाजी में सिल्वर मेडल. 10- हवलदार गुमान सिंह डावर, देशसेवा के लिए. 11 - नंदन जोशी, शिक्षाविद्, विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के प्रांत संपर्क प्रमुख... 12 - अरूण शर्मा, शिक्षाविद्, ऐलेन कोचिंग इंस्टीट्यूट.

नेशन बिल्डिंग अवार्ड से सम्मानित शिक्षक....

1 - श्रीमती प्रमिला मौर्य.. 2 -अशोक सोलंकी.. 3 - मुकेश मेहता... 4 -अभय किरकिरे... 5 - शंकरलाल काग... 6 -इंदरसिंह राठौर... 7 -श्रीमती नीतू दुबे... 8 - साहिल कुमार जैन.. कार्यक्रम का प्रभावी संचालन रोटे. डॉ. शशांक तिलवणकर ने किया. फोरवे टेस्ट का वाचन डॉ. शिल्वी वर्मा ने किया। आभार डॉ. प्रदीप पाल ने माना..

मालवा कप रात्रिकालीन क्रिकेट स्पर्धा 28 मई से

धार। जिले की सबसे भव्य क्रिकेट स्पर्धा मालवा कप रात्रिकालीन 19 वे वर्ष में प्रवेश कर 28 मई से आयोजित होने जा रही है धार जिले में अपनी अलग पहचान बनाने वाली मालवा कप स्पर्धा पर्वत सिंह चौहान के संरक्षण एवं विनोद सिंह चौहान के नेतृत्व में मालवा क्लब द्वारा आयोजित की जाती है. धार के किला मैदान पर आयोजन संबंधित तैयारी शुरू हो चुकी है क्लब के गोकुल सिंह चौहान ने बताया कि समिति द्वारा इस वर्ष स्पर्धा को रात्रि कालीन करने का निर्णय लिया गया है साथ ही प्रथम पुरस्कार 31333 द्वितीय पुरस्कार 15555 रुपए के साथ में मैन ऑफ द सीरीज स्मार्ट मोबाइल फोन एवं चमचमाती ट्राफिया तर्क संग्रह टीम की ओर से दी जाने जाने वाली है साथ ही इस वर्ष स्पर्धा में जिले की 32 टीम भाग लेने वाली है प्रवेश के लिए मालवा क्लब की साइट पर ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है .फाइनल मैच 6 जून को रात्रि कालीन होगा.

क्लब के प्रायोजक के रूप में सोनू रेस्टोरेंट, दक्ष एकेडमी, तर्क संग्रह न्यूज़ पेपर, होटल मनासा मिडवे, मेहता गैलरी, लायंस क्लब धार एक्टिव, संस्था निर्भय, गुरु कृपा बुक सेंटर, डीसेंट स्पोर्ट्स, एसएलआर ग्रुप, एक्का फ्रेंड्स क्लब धार, अग्रवाल टेंट हाउस, होटल उत्सव इन, फैशन अड्डा, छाबड़ा बस सर्विस, ठाकुर टेंट हाउस पाडल्या, खेर यातायात एवं रेडियम आर्ट, जिला फुटबाल संघ, खेल एवं कल्याण विभाग धार, पाल लाइट डेकोरेशन, होटल शिवांग एवं सरस्वती कोचिंग क्लास धार है.

युवा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष से मुलाकात

नर्मदापुरम। आज भोपाल मे युवा कांग्रेस की मीटिंग के दौरान प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह से मुलाक़ात की प्रदेश कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन मे युवा कांग्रेस के प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक मे संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर चर्चा हुई इस दौरान युवा कांग्रेस महामंत्री फैज़ान उल हक़ ने होशंगाबाद युवा कांग्रेस की संगठनात्मक गतिविधि से अवगत कराया और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की

इस्कॉन मंदिर में

भगवान नरसिंह देव चतुर्दशी महोत्सव धूमधाम से मनाई

नर्मदापुरम (नप्र)। भगवान नरसिंह चतुर्दशी पर आज एलआईसी दफ्तर के उपर द्वितीय तल स्थित इस्कॉन मंदिर परिवार में विशेष आराधना की गई। वृन्दावन चंद्र दास प्रभु के सानिध्य में इस समय भगवान की प्रसन्नता के लिए हरिनाम संकीर्तन और भगवान की आरती सम्पन्न हुई जिसमें बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित हुए। हरिनाम संकीर्तन के पूर्व भक्ति ग्राम से पधारे श्रीमान जय नित्यानंद प्रभु जी ने भगवान नरसिंह देव की कथा का भक्तों ने श्रवण लाभ लिया शाम छह बजे भजन कीर्तन से प्रारंभ कार्यक्रम में भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए।

राजनैतिक दलों को मतगणना की प्रक्रिया से कराया रूबरू

नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के तहत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार मतगणना 4 जून को कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में होगी। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के साथ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बुधवार को बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मतगणना की तैयारियों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी व अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, राजनैतिक दलों से प्रतिनिधि के तौर पर श्री अमितेन्द्र नारोलिया, श्री नरेन्द्र राजपूत, श्री हरगोविंद सिंह, श्री अंकित चौधरी, श्री झब्बूलाल अहिरवार व अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मास्टर ट्रेनर डॉ चंद्रशेखर राजहंस ने बताया कि मतगणना स्थल पर कुल 66 गणना टेबल लगाई जायेंगी। गोटेगांव के लिए 17, नरसिंहपुर के लिए 18, तेंदूखेड़ा के लिए 15 व गाडरवारा के लिए 16 गणना टेबल लगाई जायेंगी। इसके अलावा गोटेगांव के लिए 17, नरसिंहपुर के लिए 18, तेंदूखेड़ा के लिए 15 व गाडरवारा के लिए 16 सहित कुल 66 टेबलवार माइक्रो आब्जर्वर नियुक्त किये जायेंगे। मतगणना एजेंट्स एवं कर्मचारी के मतगणना कक्ष में प्रवेश करने से पहले सामान्य निर्देश के बारे में बताया गया। उन्हें निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र साथ में रखना होगा। मतगणना के दिन सुबह 6 बजे मतगणना केन्द्र पर निर्धारित काउंटर पर पहुंचना होगा। बैठक में गणना अभिकर्ताओं की नियुक्ति के संबंध में आवश्यक निर्देशों से अवगत कराया गया।

प्रधान जिला न्यायाधीश के द्वारा केन्द्रीय जेल का निरीक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नरसिंहपुर। प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री कमल जोशी नरसिंहपुर के मुख्यातिथ्य में केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा विचाराधीन बंदियो एवं दोषसिद्ध बंदियों को प्राप्त मौलिक अधिकारों के संबंध में अवगत कराते हुए जिला प्राधिकरण नरसिंहपुर द्वारा बंदियो को निःशुल्क प्रदान की जा रही विधिक सहायता पर प्रकाश डाला। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा बंदियो को स्वस्थ्य रहने एवं जेल में रहने के दौरान नया सीखते रहने की समझाईश दी।

कलेक्टर महोदया मामला संज्ञान लें..

नहीं तो ऐसे में तो प्रशासन से ही उठ जायेगा भरोसा..?

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

ऑडिटोरियम निर्माण मामले में नगरपालिका की हठधर्मिता और प्रशासन की इस मामले में अनदेखी गलत काम करने और करवाने वालों का हौसला अफजाई तो करेगी यह निश्चित है लेकिन इसके साथ ही प्रशासन से लोगों का भरोसा भी उठ जायेगा..? हो रहे गलत काम पर प्रशासन की चुप्पी और जिम्मेदारों की तानाशाही ने नगर सहित नगरवासियों को दोराहे पर खड़ा कर दिया वे किससे उम्मीद करें कि धरोहर बचाई जा सके। सप्ताह में दो दिन नगरपालिका में अपनी सेवाएं देने विदिशा से नर्मदापुरम आने वाले सहायक यंत्री रमेश वर्मा इस मामले में सवाल पूछने पर एक ही जबाव दे रहे भाई पाज़िटिव सोचों, ऑडिटोरियम निर्माण के लिए उन्होंने स्कूल भवन तोड़ना प्रारंभ कर दिया कहकर इस मामले की जानकारी सब- इंजिनियर महेन्द्र तोमर से लेने का कहते हैं। मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती हेमश्वरी पटले तो फोन पर जानकारी देने से सीधे मना करती है उसका कहना है कि जो भी जानकारी चाहिए वह आफिस आकर लिखित में ले, में कोई जानकारी नहीं दे सकती आप कोई भी हो मुझे फर्क नहीं पड़ता। आखिर बजरिया स्कूल के संदर्भ में किसी से भी चर्चा करो वही बिदक जाता ऐसा क्यों..? नगरपालिका में विधायक डॉ सीतासरन शर्मा के प्रतिनिधि महेंद्र यादव इस मामले में पूछने पर कहते हैं भाई यह हमारे समय का मामला नहीं सालों पहले की गई मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना का क्रियान्वयन है जिसके टेंडर पांच साल पहले हो चुके थे बताते हैं, जब उनसे कहा गया पांच साल पहले तो अखिलेश का कार्यकाल था तो कहने पूछकर कुछ देर बाद बताता हूं नगरपालिका में सालों से आर आई की पोस्ट खाली है, प्रभारी आर आई इस मामले में सीधे कहते हैं उन्होंने ऑडिटोरियम संबंधित कोई फाइल नहीं बनाई न ही चलाई जो कुछ राजस्व संबंधी कामकाज हो रहा वह उपर तकनीकी विभाग द्वारा किया जा रहा, पुराना भवन तोड़ने की जानकारी भी वे नहीं वो नहीं दे पाए भवन में उपयोग हुई इमारती सागौन और दरवाजे खिड़कियां तकनीकी विभाग स्वयं अपने देखभाल और उपस्थित में तुड़वा चुके बता रहे, ऐसे में करोड़ों की जमीन बचाने की अब एक मात्र उम्मीद कलेक्टर से की जा सकती है। जिन्हें उनके वाटशेप पर लिखकर अंतिम गुहार लगाई गई है कि मैडम ÷आप बजरिया स्कूल तोड़कर निर्मित होने वाले ऑडिटोरियम के मामले को संज्ञान लें, बजरिया स्कूल की जमीन का आज तक सीमांकन नहीं हुआ, इस जमीन पर अतिक्रमण हैं, फिर 1988 से नजूल में पटटा आवंटन मामला लंबित है, पट्टा आवंटन मांग करने से पहले संबंधित ने बैनामा फर्जी रजिस्ट्री के जरिए इस जमीन का नामांतरण चाहा था जिसे प्रशासन ने नहीं माना इसके अलावा उच्च न्यायालय में इस जमीन को लेकर रिट लगी हुई है। ऐसी स्थिति में सरकारी स्कूल भवन तोड़कर उसकी जमीन खुर्द-बुर्द की जा सकती है। क्योंकि प्रभावशाली अतिक्रमण कर्ता के प्रभाव में परिषद और अधिकारी दोनों हैं ऐसे में केवल आप से ही न्याय की आशा की जा सकती है।

तलवार से लोगों को डराने-धमकाने वाले आरोपी को सजा

नरसिंहपुर। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री भारत सिंह रघुवंशी के न्यायालय द्वारा आरोपी अमन उर्फ बड्डू डागोर आत्मज अंजू डागोर आयु.24 निवासी. शिवाजी वार्डए अखाड़ी मोहल्लाए कोतवालीए जिला. नरसिंहपुरए मण्प्रण् को धारा.25 ; आयुध अधिनियम में दो वर्ष का सश्रम कारावास व 1000/ रूपये का अर्थदण्ड से दंडित किया गया है।जिला मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि दिनांक. 29/05/2023 को थाना कोतवाली जिला नरसिंहपुर में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक रमेश निवारे को इलाका भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि रिपटापार अखाड़ी मोहल्ला के पास एक व्यक्ति हाथ में तलवार लिये लोगों को धमका रहा है। उक्त सूचना की तस्दीक हेतु वह हमराहबल के साथ मुखबिर के बताये हुए स्थान पर पहुंचे। घटना स्थल पर उन्हें मुखबिर द्वारा बताये हुलिये का व्यक्ति मिला। उक्त व्यक्ति को साक्षीगण के समक्ष पकड़कर नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम अमन उर्फ बड्डू डागोर आत्मज अंजू डागोर होना बताया। अभियुक्त से एक लोहे की तलवार जप्त की। अभियुक्त से तलवार रखने का लायसेंस का पूछा गया तो वह लायसेंस पेश नहीं कर सका। अभियुक्त से तलवार जप्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। घटना की रिपोर्ट आरक्षी केन्द्र.कोतवाली जिला.नरसिंहपुरए मप्र में लेख की गई। मामले में अन्य आवश्यक विवेचना उपरांत अभियोग पत्र को न्यायालय में पेश किया गया।न्यायालय में शासन की ओर से मामले की पैरवी एडीपीओ आदित्य तिवारी द्वारा की गई। अभियोजन के द्वारा साक्षियों का परीक्षण कराया गया तत्पश्चात मौखिक तर्क प्रस्तुत किये गये जिनसे सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी अमन उर्फ बड्डू डागोर को धारा.25 आयुध अधिनियम में दो वर्ष का सश्रम कारावास व 1000/ रूपये का अर्थदण्ड से दंडित किया गया है।

तलवार से लोगों को डराने धमकाने वाले आरोपी को सजा

न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्री भारत सिंह रघुवंशी के न्यायालय द्वारा आरोपी अमन उर्फ बड्डू डागोर आत्मज अंजू डागोर आयु.24 निवासी. शिवाजी वार्डए अखाड़ी मोहल्लाए कोतवालीए जिला. नरसिंहपुरए मण्प्रण् को धारा.25 आयुध अधिनियम में दो वर्ष का सश्रम कारावास व 1000/ रूपये का अर्थदण्ड से दंडित किया गया है।जिला मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि दिनांक. 29/05/2023 को थाना कोतवाली जिला नरसिंहपुर में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक रमेश निवारे को इलाका भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि रिपटापार अखाड़ी मोहल्ला के पास एक व्यक्ति हाथ में तलवार लिये लोगों को धमका रहा है। उक्त सूचना की तस्दीक हेतु वह हमराहबल के साथ मुखबिर के बताये हुए स्थान पर पहुंचे। घटना स्थल पर उन्हें मुखबिर द्वारा बताये हुलिये का व्यक्ति मिला। उक्त व्यक्ति को साक्षीगण के समक्ष पकड़कर नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम अमन उर्फ बड्डू डागोर आत्मज अंजू डागोर होना बताया। अभियुक्त से एक लोहे की तलवार जप्त की। अभियुक्त से तलवार रखने का लायसेंस का पूछा गया तो वह लायसेंस पेश नहीं कर सका। अभियुक्त से तलवार जप्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। घटना की रिपोर्ट आरक्षी केन्द्र.कोतवाली जिला.नरसिंहपुरए मप्र में लेख की गई। मामले में अन्य आवश्यक विवेचना उपरांत अभियोग पत्र को न्यायालय में पेश किया गया।

मृदा परीक्षण का कार्य कृषि विभाग के अमले द्वारा

नरसिंहपुर। जिले में कृषि विभाग की स्वाइल हेल्थ फर्टीलिटी योजना के अंतर्गत किसानों के खेत से मृदा के नमूना लेने और मृदा परीक्षण के संबंध में जागरूकता लाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि विभिन्न फसलों में उर्वरकों के लगातार असंतुलित मात्रा में उपयोग से मृदा की गुणवत्ता प्रभावित हुई है। मृदा में सूक्ष्म तत्वों के स्तर का पता, मिट्टी की जांच के बाद ही लगाया जा सकता है। उप संचालक कृषि श्री उमेश कुमार कटहरे ने बताया कि जिले की मृदा में स्वाइल मैप के अनुसार सूक्ष्म पोषक तत्व आयरन, जिंक एवं सल्फर की कमी पाई गई है। इनकी पूर्ति के लिए किसान बेहतर फसल उत्पादन के लिए अपने क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर स्वाइल एप के माध्यम से मिट्टी नमूना की जांच कराएं। उन्हें मिट्टी नमूना के विश्लेषण उपरांत स्वाइल हेल्थ कार्ड प्रदाय किया जा सके। मिट्टी की जांच के बिना उर्वरकों का इस्तेमाल बिना डॉक्टर की सलाह के दवा के प्रयोग करने जैसा है। गर्मी के मौसम में खेत खाली होते ही मिट्टी की जॉच करायें, मिट्टी का नमूना लेने के लिए यह सही समय है। मृदा जागरूकता अभियान के तहत विकासखंड चीचली के ग्राम जमाड़ा के कृषकों के यहां से मिट्टी नमूना एकत्रीकरण किये गये है।किसानों से अपील की गई है कि समय का सदुपयोग करते हुए मिट्टी नमूना देकर निःशुल्क परीक्षण कराएं। किसान स्वाइल हेल्थ कार्ड की अनुसंशा के आधार पर फसलों में संतुलित मात्रा का उपयोग कर फसल का उत्पादन एवं गुणवत्ता बढाएं।

बाढ़ एवं अतिवृष्टि से बचाव की पूर्व तैयारियों की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। बाढ़ एवं अतिवृष्टि से बचाव की पूर्व तैयारियों संबंधी जिला स्तरीय बैठक कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने बाढ़ एवं अतिवृष्टि से बचाव की सभी तैयारियां पहले से ही पुख्ता कर लेने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नागेन्द्र पटेरिया, सहायक कलेक्टर श्री शुभम कुमार यादव, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी, एसडीओपी और अन्य अधिकारी मौजूद थे।बैठक में कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि बाढ़ आपदा संवेदनशील क्षेत्रों का आंकलन कर लिया जाये। इस संबंध में निर्देश दिये गये कि ऐसी नदियां नर्मदा एवं उसके किनारे पर जिनमें जल स्तर बढ़ने पर बाढ़ आती है या बाढ़ की संभावना रहती है, तो इसकी पूर्व से ही चेतावनी जारी करने के साथ ही खतरे के जल स्तर का चिन्हांकित करें। बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष तैयार करने, प्राकृतिक जलाशय एवं जल निकास के लिये नालियों की बारिश पूर्व सफाई, जलाशयों के किनारे अतिक्रमण हटाने, तटबंधों का सुदृढ़ीकरण करने, बाढ़ की पूर्व सूचना की व्यवस्था करने और आपातकालीन कार्यवाही के लिये आवश्यक सेवाओं के रख-रखाव, समन्वय, आवश्यक वस्तुओं का भंडारण, दवाई व चिकित्सक दल, पशु चिकित्सा सेवायें, स्वास्थ्य व स्वच्छता, पेयजल, अस्थायी शिविर, अतिरिक्त खाद्यान्न की व्यवस्था आदि पर चर्चा की गई और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि

वे संवेदनशीलता के साथ इस दिशा में कार्य करें। बाढ़ नियंत्रण संबंधी तैयारियों के साथ ही जनजागृति अभियान चलाकर लोगों को बाढ़ से बचने की जानकारी दें। सभी महत्वपूर्ण दूरभाष नंबर व मोबाईल नंबर की जानकारी जिला आपदा नियंत्रण केन्द्र के साथ साझा करें। जिले में बाढ़ की पूर्व सूचना एवं प्रचार-प्रसार की सुव्यवस्थित प्रणाली बनाकर उसे सुदृढ़ कर लें। उन्होंने सभी एसडीएम को अनुभाग स्तरीय बाढ़ आपदा प्रबंधन की बैठक आयोजित करने और शहरी क्षेत्र का बाढ़ आपदा प्रबंधन प्लान तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि बरगी बांध से पानी छोड़ने की सूचना त्वरित गति से साझा करने की व्यवस्था रहे। बारिश के पूर्व सभी सड़कों की आवश्यक मरम्मत, निर्माणाधीन सड़कों का समुचित डायवर्सन, समुचित बोर्ड्स, बाढ़ संभावित ग्रामों और पहुंचविहीन ग्रामों में अग्रिम राशन, जर्जर भवनों का चिन्हांकन, नाला- नालियों की सफाई, पशुओं का टीकाकरण, चारा-भूसे की पर्याप्त उपलब्धता, क्लोरिनेशन, रेस्क्यू स्थल मैपिंग, बाढ़ बचाव सामग्री एवं आवश्यक उपकरणों, लाइफ जैकेट, होमगार्ड तैराकों की व्यवस्था, प्राइवेट रिसोर्स मैपिंग आदि सुनिश्चित कराएं। इसी प्रकार तहसील स्तर पर भी कंट्रोल रूम बनाये जाये। साथ ही जलाशयों से जल छोड़ने के पूर्व इस आशय का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराने और बाढ़ आपदा के नियंत्रण के लिये जिला, तहसील व ग्राम स्तर पर निगरानी टीम को सक्रिय कर प्रभावित स्थलों पर साईनेज लगाने के निर्देश भी दिये गये। पुल- पुलिया पर जल स्तर अधिक होने पर आवाजाही पूर्णत: प्रतिबंधित रहे।

मच्छरों को अपने आसपास पनपने न दें- बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्षा के दौरान डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया आदि बीमारियां मच्छर के काटने से होती हैं। इन बीमारियों से बचाव के लिए डेंगू फैलाने वाले एडीज मच्छर को आपके घर में या आसपास पैदा ना होने दें। डेंगू फैलाने वाली एडीज मच्छर साफ पानी में पैदा होते हैं और यह दिन के समय काटता है।1.छत एवं घर के आस-पास अनुपयोगी सामग्री में पानी जमा न होने दें।2.सप्ताह में एक बार अपनी टीन, डब्बा व बाल्टी आदि का पानी खाली कर दें। दोबारा उपयोग करने से पहले उन्हें अच्छी तरह से सुखाएं।3.टायरों आदि में पानी जमाव नहीं हो।4.पानी के बर्तन, टंकियों आदि को ढंक कर रखें।5.हेंडपंप के आसपास पानी एकत्र न होने दें। 6.घर के आसपास के गड्ढों को मिट्टी से भर दें। 7.पानी भरे रहने वाले स्थानों पर मिट्टी का तेल या जला हुआ इंजन का तेल डालें। मच्छर के लार्वा को नष्टीकरण से डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया से बचाव किया जा सकता है।

राइट क्लिक

लोस चुनावः सीटों पर जीत की 'सियासी सट्टेबाजी' और वोटर का विवेक

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के वरिष्ठ संपादक हैं।
संपर्क- 9893699939
ajaybokil@gmail.com

लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विभिन्न टीवी न्यूज चैनलों को दिए जा रहे इंटरव्यू के बाद अगर किसी साक्षात्कार की चर्चा है तो वो है भाजपा के पूर्व चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर की। अपना पुराना धंधा छोड़कर राजनेता बने प्रशांत किशोर (पीके) ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि भाजपा का 370 का नारा भले ही अवास्तविक लगे, लेकिन पार्टी 270 से नीचे हरगिज नहीं जा रही। दूसरे अगर बीजेपी 370 के नीचे गई तो निवेशकों को भारी नुकसान होगा। अगर प्रशांत किशोर के दावे को सही मानें तो देश में मोदी राज 3.0 तकरीबन तय है। उधर पीएम मोदी ने भी कह दिया है कि 400 पार के नारे को आंकड़ों में न पकड़ें, इसका भावार्थ लें कि चुनाव में एनडीए इसके आसपास रहने वाला है। यहां पीके की बात में कुछ दम इसलिए है कि वो भाजपा के अलावा भी कुछ दूसरी विपक्षी पार्टियों के चुनावी रणनीतिकार रह चुके हैं और अब खुद एक जन सुराज पार्टी के संस्थापक हैं। पीके का चुनाव के करंट को पकड़ने और नापने का अपना तरीका है। अलबत्ता पीके के इस बयान ने विपक्ष के उस सोशल मीडियाई नरेटिव को तगड़ा झटका दिया है, जिसमें चार चरण बाद ही मोदी की सत्ता से बेदखली के गारंटी के साथ दावे किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा तो क्या समूचा एनडीए भी 272 के जादुई आंकड़े तक नहीं पहुंच रहा। कारण कि पूरे देश में भाजपा और मोदी विरोधी हवा है और इसका सीधा चुनावी फायदा इंडिया गठबंधन को हो रहा है। इसी आधार पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया है कि पांच चरणों में कुल 428 सीटों पर हुई वोटिंग में इंडिया गठबंधन 350 सीटें जीत रहा है। दूसरी तरफ केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दावा है कि पांचवे चरण के बाद भाजपा सहित एनडीए गठबंधन की 310 सीटों पर जीत पक्की है। हम सरकार तो बना ही रहे हैं, अब सवाल सिर्फ 400 सीटों की फिनिश लाइन को टच करने का है।

यह शायद पहला चुनाव है, जिसमें हर चरण के बाद दोनों मुख्य प्रतिद्वंद्वी गठबंधनों द्वारा जीत के आंकड़े 'राजनीतिक सट्टेबाजी' की तरह जारी किए जा रहे हैं। जबकि चुनाव के दो चरण अभी बाकी हैं। इस मनोवैज्ञानिक सियासी द्वंद्व का लक्ष्य मानो यह है कि क्लास टेस्ट के अंकों को ही बोर्ड परीक्षा का फाइनल रिजल्ट मान लिया जाए। इसी से समझा जा सकता है कि राजनीतिक रण में मुकाबला कितना कड़ा है। हकीकत में जनता के मन में क्या है, यह ठीक- ठीक कोई नहीं जानता बल्कि चुनावी रणनीतिकारों की कोशिश तो यह है कि जनता भी उसी वेव लैंथ पर सोचे, जो नेता सरेआम कह रहे हैं। इन तमाम दावों प्रतिदावों के बरक्स एग्जिट पोल सर्वे अभी आने बाकी हैं। वो क्या बताते हैं, यह और भी दिलचस्प होगा।

बहरहाल जनमत की व्याख्याएं मतदान के हर चरण के बाद अलग- अलग तरीके से की जा रही हैं। विपक्षी इंडिया गठबंधन का मानना है कि पांचवे चरण तक आते- आते भाजपा के लिए एक आसान सी लगती प्रेमकथा अब ट्रैजिक स्टोरी में बदलने जा रही है तो भाजपा का मानना है कि 'हाथी चले बजार, कुत्ते भूंके हजार' की तर्ज पर वो और उसका संगठन अपना काम कर रहा है। चुनाव मुद्दों की सर्जिकल स्ट्राइक की बजाए वोटों के 'मैनेज मेंट' से जीता जाता है। नतीजे विपक्षी दावों का मुंह सिल देंगे।

उधर विपक्ष बार-बार यह कह रहा है कि इस बार नतीजे चौंकाने वाले होंगे। वैसे भी अमूमन हर चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले ही होते हैं, हारने वाले के लिए तो होते ही हैं, कई बार जीतने वाले के लिए भी होते हैं। इसमें भी विपक्ष का ट्रिकी फंडा यह है कि अगर इंडिया गठबंधन एनडीए से ज्यादा सीटें जीत सका तो नरेटिव बनेगा कि जनादेश मोदी और भाजपा के खिलाफ आया है, इसलिए सभी भाजपा विरोधी पार्टियां मिलकर सरकार बनाएंगी। अगर भाजपा फिर भी जीत गई तो ईवीएम पर हार का ठीकरा फोड़ना तय है। उसे 'जनादेश' की बजाए 'मशीनादेश' कहा जाएगा। इसी के चलते अपने- अपने इलेक्शन नरेटिव को स्थापित करने के लिए सोशल मीडिया पर काफी मेहनत और पैसा खर्च किया जा रहा है। एक व्लॉगर ने तो यू ट्यूब पर चौथे चरण के बाद प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान 'बीबीसी वर्ल्ड' के कथित सर्वे के आधार पर इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित कर डाली। सर्वे के बैक ड्रॉप में बीबीसी वर्ल्ड का लोगो भी दिखाया जा रहा था। लेकिन जब बीबीसी ने अपनी अधिकृत वेबसाइट पर उसके द्वारा ऐसा कोई चुनावी सर्वे नहीं करने की बात स्पष्ट की तो व्लॉगर ने अपने वीडियो से चुपके से बीबीसी वर्ल्ड का लोगो हटा दिया। लेकिन तब तक उसे डेढ़ लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके थे। यह डिजीटल दुस्साहस का एक उदाहरण है।

यहां सवाल यह कि इंडिया गठबंधन की जीत के दावों में सच्चाई कितनी है? अगर आंकड़ों के आधार पर बात करें तो यह कठिन जरूर है, मगर असंभव नहीं है। इंडिया गठबंधन में कुल 36 दल शामिल हैं और अगर टीएमसी को भी मिला लिया जाए तो यह संख्या 37 होती है। इनमें से कांग्रेस के अलावा 6 पार्टियां ऐसी हैं, जो चुनाव में 5 से लेकर 25 तक सीटें जीतने की स्थिति में हैं। अगर कांग्रेस चुनाव में अपनी जीती हुई सीटों का आंकड़ा 125 तक ले जा सकी तो बाकी सहयोगियों की मदद से वह किसी तरह 272 तक पहुंच सकती है। लेकिन कांग्रेस के लिए वर्तमान में 52 सीटों का आंकड़ा 125 तक पहुंचाना एवरेस्ट सर करने जैसा है। 'दो लड़कों' की बातों में इतना जबर्दस्त करंट भी नहीं दिख रहा कि जो मोदी विरोधी करंट को डीसी से एसी करंट में तब्दील कर दे। दूसरी तरफ भाजपा के एनडीए गठबंधन में संख्या के लिहाज से राजनीतिक दल ज्यादा यानी 41 हैं, लेकिन इनमें भाजपा के अलावा कोई पार्टी ऐसी नहीं है, जो अपने दम पर 20 से ज्यादा सीटें निकाल पाए। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि अव्वल तो भाजपा ने आंध्र प्रदेश को छोड़कर सभी जगह ज्यादातर सीटें अपने खाते में रखी हैं। ऐसे में अगर भाजपा का इंजन अपने ही यार्ड में फेल हो गया तो एनडीए की गाड़ी मैजिक नंबर के आउटर पर जाकर अटक जाएगी। हालांकि ऐसा होने की संभावना कम है। इस चुनाव में कोई आंधी भले नजर न आए, लेकिन बेरोजगारी, महंगाई, विकास, किसानों की नाराजी, सड़क पानी बिजली, जातिवाद और आरक्षण आदि मुद्दे यथावत हैं। इन मुद्दों को मोदी और राम मंदिर फैक्टर किस स्तर तक काउंटर कर पाते हैं, उसी से काफी कुछ चुनाव नतीजे तय होंगे। अमूमन सामान्य मतदाता भी इतना तो समझता ही है कि ये लोकसभा चुनाव देश की सरकार के लिए हो रहे हैं, ऐसे में उसके निजी दुख दर्द के अनुपात में राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर वोट ज्यादा करने की संभावना है। ऐसा विवेक वोटर ने हर चुनाव में दिखाया भी है। गठबंधन सरकारों के काम काज, मजबूरियों, अंतर्विरोधों और उससे पैदा होने वाली राजनीतिक अराजकता को भी उसने देखा है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का थोड़ा बहुत अहसास उसे भी है। राष्ट्रहित का अंदाजा उसे भी है। लिहाजा वोटर जो भी जनादेश देगा, अपने विवेक से देगा। वह अनपढ़ हो सकता है, नासमझ नहीं है। हमे उसके विवेक पर भरोसा करना चाहिए।

म.प्र.हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस शील नागू होंगे

जस्टिस शील नागू के रोचक फैसले

'अस्पताल में टीवी लगवाओ, चीन का बना नहीं होना चाहिए'

जबलपुर (नप्र)। 'जमानत चाहिए तो अस्पताल में 25 हजार रुपए कीमत की एलईडी टीवी लगवाओ। टीवी भारत या किसी भी देश में बना हो, लेकिन चीन का बना नहीं होना चाहिए।'

जस्टिस शील नागू कुछ ऐसे ही रोचक फैसले सुनाने के लिए जाने जाते हैं। वे 25 मई से मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस होंगे। निवर्तमान चीफ जस्टिस रवि मलिमठ 24 मई 2024 को रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने 14 अक्टूबर 2021 को चीफ जस्टिस पद की शपथ ली थी। जस्टिस नागू ने टीवी लगाने का फैसला 2020 में हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच में सुनाया था। हत्या के प्रयास के आरोपी अरविंद पटेल और कमलेश पाल ने जमानत की अर्जी लगाई थी। दोनों ने 18 फरवरी 2020 को ग्वालियर जिले के बड़ौनी थाना क्षेत्र के गांव औरीना में बृजेश पाल के पैर में गोली मार दी थी। तब गलवान घाटी में भारत और चीन के बीच तनावपूर्ण स्थिति थी इसलिए जस्टिस नागू ने अपने आदेश में कहा था कि टीवी चाइना मेड नहीं होनी चाहिए। ऐसे फैसलों से याचिका लगाने वालों को तो राहत मिली ही, समाज की बेहतरी के लिए भी कुछ करने का मौका मिला। 5 साल पहले ग्वालियर में 3 दिन में 36 फैसले सुनाए; जमानत की एक ही शर्त- 100-100 पौधे लगाओ जस्टिस शील नागू के फैसलों की चर्चा आज भी लोग करते हैं। 5 साल पहले ग्वालियर में उन्होंने 3 दिन में 36 फैसले सुनाए। क्रिमिनल केसेस में जिन आरोपियों को सशर्त जमानत दी, उन्हें 100-100 पौधे रोपने का आदेश दिया। जिन आरोपियों को पौधे लगाने के लिए कहा, उनमें से कुछ ग्वालियर से हैं तो कुछ गुना, भिंड, मुरैना, दतिया, अशोकनगर, शिवपुरी जिले से थे।

शिवराज सरकार का एक और फैसला पलटेंगे मोहन

सीपीए को फिर से अस्तित्व में लाने की तैयारी, सीएम के निर्णय पर मुख्य सचिव ने बुलाई बैठक

भोपाल (नप्र)। मोहन यादव सरकार पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार के एक और फैसले को पलटने जा रही रही है। दरअसल, शिवराज सरकार के कार्यकाल में दो साल पहले राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) को 3 मार्च 2022 को बंद करने का फैसला किया गया था और उसके कामों को लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया था। अब मोहन सरकार सीपीए को फिर अस्तित्व में लाकर नए सिरे से इसका पुनर्गठन करने की तैयारी में है। इसी को लेकर मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों के अफसरों की बैठक भी बुलाई है। इस मामले में नगरीय विकास और आवास विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई का कहना है कि मुख्य सचिव वीरा राणा ने सीपीए को लेकर आज बैठक बुलाई है।

इसमें सीपीए की समीक्षा का विषय रखा गया है। सीपीए के विघटन और पुनर्जीवन को लेकर इसके विषय में कोई बात नहीं कही गई है। गौरतलब है कि इसके पहले सीएम डॉ यादव पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के अवैध कालोनियों को वैध करने के फैसले को पलट चुके है। यादव ने कहा है कि कोई भी अवैध कालोनी वैध नहीं की जाएगी। नई अवैध कालोनी बनने नहीं दी जाएगी।

मंत्री कृष्णा गौर ने लिखी है सीएम को चिट्ठी

प्रदेश की पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री कृष्णा गौर ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखकर सीपीए को पुनर्जीवित करने की मांग की है। गौर ने कहा है कि सीपीए के पुनर्जीवित होने से राजधानी के बाग बगीचों और फारेस्ट एरिया का अच्छे से विकास हो सकेगा। बताया जाता है कि सीएम यादव ने इसके बाद इस सीएम मानिट में डाला है और इस पर निर्णय करने के लिए कहा है। इसके बाद ही सीएस वीरा राणा ने मीटिंग बुलाई है।

अभी यह है सीपीए की स्थिति

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस के कार्यकाल में बंद किए गए सीपीए का फिलहाल लोक निर्माण विभाग के एक डिवीजन के रूप में उपयोग हो रहा है। सीपीए द्वारा बनाई जाने वाली सड़कों और भवनों को लोक निर्माण विभाग तथा नगर निगम भोपाल के बीच बांट दिया गया है और सीपीए द्वारा विकसित फारेस्ट एरिया को वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है। शहर के और मोहल्लों के बाग बगीचे नगर निगम को हैंडओवर हैं।

ये है सीपीए का काम

शहर को व्यवस्थित तरीके से डेवलप करने के लिए साल 1960 में आवास एवं पर्यावरण विभाग के अंतर्गत सीपीए का गठन किया गया था। इसका काम भोपाल शहर की सड़कों को बनाना और उनका मेंटेनेंस करना था। इसके अलावा, उसके जिम्मे पर उद्यान, बिल्डिंग निर्माण, पुल-पुलियाएं बनाने आदि के काम भी आ गए। इस विभाग की नए शहर को खूबसूरती देने में बड़ी भूमिका रही है। नए मंत्रालय एनेक्सी बनाने से लेकर वीआईवी रोड जैसे कई बड़े काम उसने ही किए हैं। भारत भवन, शौर्य स्मारक, ट्राइबल म्यूजियम, मानव संग्रहालय, टीटी नगर स्टेडियम, सतपुड़ा, विध्यांचल आदि इमारतें भी सीपीए ने बनाई है। वहीं 92.5 किमी सड़कें हैं।

भोपाल में करीब 130 एकड़ में फैले एकांत, प्रियदर्शनी, चिनार, मयूर व तरुण पुष्कर समेत 7 बड़े पार्कों की देखरेख का काम वन विभाग को और मंत्रालय, सतपुड़ा, विंध्याचल व विधानसभा भवनों के रखरखाव का काम भी राजधानी परियोजना के पास था।

विधायक के भाई की मौत पर गोविंद सिंह बोले

सीएम हेलीकॉप्टर से मरीजों को भिजवाने की बात करते हैं

विधायक के भाई को ना डॉक्टर मिले ना एंबुलेंस

भोपाल (नप्र)। भिंड जिले के गोहद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक केशव देसाई के बड़े भाई का हार्ट अटैक से निधन हो गया। विधायक का आरोप है कि भाई को अस्पताल में इलाज और एंबुलेंस तक नहीं मिली। विधायक के भाई की मौत पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल का इस्तीफा मांगा है।

दरअसल, सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात विधायक के भाई की गोहद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में समय पर उपचार नहीं मिलने से मौत हो गई थी। बड़े भाई की मौत के बाद कांग्रेस विधायक केशव देसाई ने अस्पताल प्रबंधनपर लापरवाही के आरोप लगाए। विधायक ने कहा कि यहां डॉक्टर नहीं रुकते।

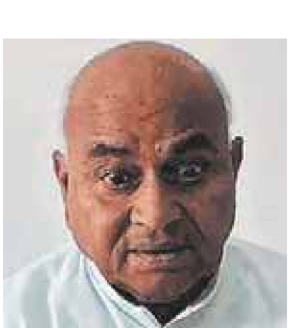

60 फीसदी पीएचसी में डॉक्टर नहीं

डॉ. गोविंद सिंह ने कहा- अकेला भिंड जिला नहीं, पूरे इलाके में यह देखता हूं कि 60 प्रतिशत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सहायक चिकित्सा अधिकारी नहीं हैं। ताले लगे हुए हैं। आप उप मुख्यमंत्री बनकर बड़े विभाग के मंत्री बन गए। आप क्या कर रहे हैं? हमें उम्मीद है कि आप इस व्यवस्था को सुधारेंगे और अगर आप अक्षम साबित हुए तो आपको भी पद पर रहने का अधिकार नहीं हैं। जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते तो अपने उप मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देने का काम करें।

नर्सिंग घोटाले में एसीएस करें कार्रवाई

उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग के एसीएस सुलेमान उन लोगों पर तुरंत कार्यवाही करें जिन्होंने ऐसे कॉलेजों को मान्यता दी। उन्होंने लाखों लोगों के जीवन से खिलवाड़ किया है। सुलेमान जी उन लोगों पर तत्काल कार्रवाई करें। उन्हें जेल में पहुंचाने का काम करें। क्योंकि यह लोगों की जीवन से खिलवाड़ होने का काम हुआ है हमें उम्मीद है कि उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला से भी कि आप भी इसमें इसमें दखल दें। और घोटाले बाजों को जेल भिजवाने का काम करें।

हेलीकॉप्टर से मरीजों को भेजने की बात करते हैं, मरीज को एंबुलेंस नहीं मिली

डॉ.गोविंद सिंह ने कहा है कि मैं मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और राज्य के स्वास्थ्य चिकित्सा मंत्री राजेश शुक्ल से अनुरोध करना चाहता हूं। आप बड़े विभाग के जिम्मेदार हैं। पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री द्वारा वाह-वाही लुटवाने काम क्यों हो रहा है। आप हेलीकॉप्टर से मरीजों को पहुंचाने की बात करते हैं। यहां हमारे भिंड जिले के गोहद विधानसभा के अनुसूचित जाति वर्ग के विधायक केशव देसाई के बड़े भाई जिनकी 64 साल उम्र थी। गोहद में जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कोई डॉक्टर नहीं है। उन्हें हार्ट अटैक हुआ, तड़प-तडप कर उनकी जान चली गई। एंबुलेंस मौजूद नहीं थी। डायल 100 को बुलाया तो उसने आने से मना कर दिया। इस तरह का खिलवाड़ एक विधायक के भाई साथ हुआ।

विधायक बोले- समय पर उपचार नहीं मिलने से हुआ निधन

मामले में विधायक केशव देसाई ने आरोप लगाया है कि समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण उनके भाई का निधन हुआ है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में देर रात ड्यूटी पर मात्र एक डॉक्टर मौजूद था, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर सहित अन्य डॉक्टर ग्वालियर थे। अस्पताल में एम्बुलेंस भी नहीं थी।

नर्सिंग घोटाले में सीबीआई अफसरों की रिश्वतखोरी के लिए मोदी जिम्मेवार

नर्सिंग घोटाले की जांच कर रहे सीबीआई अफसरों के रिश्वत लेते गिरफ्तार होने पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। गोविंद सिंह ने मप्र के डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल का इस्तीफा भी मांगा है। उन्होंने कहा- मोदी जी, सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स इनसे जब आप राजनीतिक कार्यकर्ता बनाकर काम कराएंगे, तो उनकी इसी प्रकार काम करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जिम्मेदार मानता हूं।

भोपाल में दिनभर गर्मी के बाद शाम को बारिश

मालवा-निमाड़ में टेम्प्रेचर 45 डिग्री पार, ग्वालियर-चंबल भी खूब तपा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में इन दिनों में भीषण गर्मी पड़ रही है। गर्मी के बीच कई जगहों पर मौसम भी बदला है। राजधानी भोपाल में बुधवार शाम 4 बजे शहर के कई इलाकों में बारिश हुई। जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। सीहोर के बुदनी में भी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट में आंधी-बारिश का अलर्ट भी जारी किया है।

24-25 मई से प्रदेश में लू का अलर्ट

प्रदेश के लगभग सभी जिलों में इन दिनों पारा चढ़ा हुआ है। सुबह से ही सूरज के तीखे तेवर हो जाते हैं, जबकि रातें भी गर्म हैं। ग्वालियर-चंबल के साथ अब मालवा-निमाड़ भी हॉट है। यहां दिन का टेम्प्रेचर 45 डिग्री के पार पहुंच जाता है। भोपाल के सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, 24-25 मई से पूरा प्रदेश लू की चपेट में रहेगा।

मंगलवार को प्रदेश के कई जिलों में पारा 45 डिग्री के पार पहुंच गया। रतलाम सबसे हॉट रहा। यहां दिन का टेम्प्रेचर 45.6 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। वहीं, दतिया-नौगांव में 45.5 डिग्री, गुना में 45.4 डिग्री और ग्वालियर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल और उज्जैन सीजन के सबसे गर्म रहे।

भोपाल-उज्जैन में रिकॉर्ड गर्मी

भोपाल में पारा 43.3 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। वहीं, उज्जैन में 44.1 डिग्री दर्ज किया गया। तेज गर्मी की वजह से लू का असर भी रहा। प्रदेश के कई शहरों में हीट वेव, यानी गर्म हवाएं चली। टीकमगढ़, खंडवा, दमोह, नर्मदापुरम, खरगोन, खजुराहो और शाजापुर में पारा 44 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। बड़े शहरों की बात करें तो इंदौर में पारा 42.8 डिग्री और जबलपुर में 41.8 डिग्री दर्ज किया गया।

गर्मी से राहत के लिए गायों पर पानी की बौछार

रतलाम के आलोट में श्री गोवर्धन गौशाला ने गायों को गर्मी से बचाने के लिए उन पर पानी की बौछार की जा रही है। गौशाला में करीब 470 गाय हैं। क्षेत्र में भीषण गर्मी बनी हुई है। यहां तीन दिनों से पारा 43 डिग्री के पार है। लिहाजा गौशाला समिति के सदस्यों ने गायों को राहत देने के लिए उन पर पानी की बौछार करने का निर्णय लिया है। उज्जैन में भगवान श्रीकृष्ण के लिए लगाया एसी, चंदन का लेप भी लगा रहे हैं।

उज्जैन के इस्कॉन मंदिर में भगवान को श्रीखंड का भोग लगाया जा रहा है

उज्जैन के इस्कॉन मंदिर में भीषण गर्मी से भगवान श्री कृष्ण, बलराम सुदामा राधा सहित अन्य देवी-देवता को बचाने और उन्हें शीतलता प्रदान करने के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। यहां गर्भगृह को ठंडा रखने के लिए तीन एसी का सहारा लिया जा रहा है। इस्कॉन के पंडित राघव दास ने बताया कि भगवान कृष्ण राधा को चंदन का लेप भी लगाया जा रहा है। भगवान को शीतलता व ठंडक प्रदान करने के लिए रोजाना चार लोग चंदन का लेप को तैयार कर रहे हैं। करीब 20 किलो चंदन को एकत्रित कर भगवान को लगाया जाएगा।

बुदनी में भी बारिश

सीहोर जिले की बुदनी जनपद पंचायत क्षेत्र में बुधवार दोपहर बाद मौसम अचानक बदल गया। यहां दिनभर तेज धूप के बाद शाम चार बजे बादल छा गए। करीब 5 बजे यहां तेज बारिश हुई। नर्मदा नदी किनारे स्थित नादनेर, कुसुम खेड़ा सहित आसपास के गांवों में करीब 15 मिनट तक तेज बारिश हुई।